कंचन उजाला

हिन्दी दैनिक

RNI No : UPHIN/2019/79194

# कंचन उजाला

तापसी पन्नू की हसीन दिलरूबा का नया पोस्टर रिलीज

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ | WWW.Kanchanujala.in | kanchanujalalko@gmail.com

वर्षः 02 अंक : 163 | लखनऊ, मंगलवार, 08 जून, 2021 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

### कोरोना संकट के बीच पीएम मोदी का बड़ा एलान

## 18 साल से अधिक उम्र वाले सभी लोगों को फ्री में लगेगी वैक्सीन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कोरोना महामारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्र के नाम संबोधन किया। इस संबोधन में उन्होंने सबसे बड़ा एलान करते हुए कहा कि केंद्र सरकार 18 साल से अधिक उम्र वाले सभी लोगों को फ्री में वैक्सीन लगवाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि आज ये फैसला लिया गया है कि राज्यों के पास वैक्सीनेशन से जुड़ा जो 25 फीसद काम था, उसकी जिम्मेदारी भारत सरकार उठाएगी। ये व्यवस्था दो हफ्ते में लागू की जाएगी। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर नई गाइडलाइन के अनुसार जरूरी तैयारी कर लेगी। उन्होंने कहा कि संयोग है कि 21 जून को ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी है। 21 जून सोमवार से देश के हर राज्य में 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए भारत सरकार राज्यों को मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराएगी। वैक्सीन निर्माताओं से कुल उत्पादन का 75 फीसद हिस्सा खुद खरीदकर राज्य सरकार को मुफ्त देगी। किसी भी राज्य सरकार को वैक्सीन को कुछ भी खर्च नहीं करना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि देश में बन रही वैक्सीन में से 25 फीसद निजी क्षेत्र के अस्पताल सीधे ले पाएं ये व्यवस्था जारी रहेगी। निजी अस्पताल वैक्सीन की निर्धारित कीमत के उपरांत एक डोज पर अधिकतम 150 रुपये ही सर्विस चार्ज ले सकेंगे। इसकी निगरानी करने का काम राज्य सरकारों के पास ही रहेगा। कोरोना के टीकाकरण में तेजी लाने के लिए पीएम मोदी ने कहा कि देश में नेजल वैक्सीन पर अनुसंधान जारी है। इसे सिरिंज से ना लेकर नाक में स्प्रे किया जाएगा। अगर यह ट्रायल सफल हो गया तो इससे भारत के वैक्सीन अभियान में और भी तेजी आएगी। पीएम मोदी ने कहा कि देश में अब तक 23 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। आने वाले दिनों में कोरोना वैक्सीन की सप्लाई बढ़ने वाली है। देश में 7 विभिन्न कंपनियां वैक्सीन का उत्पादन कर रही हैं। अन्य 3 वैक्सीन का ट्रायल भी चल रहा है। बच्चों के लिए भी दो वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है।

#### राज्यों को गाइडलाइंस दीं ताकि वे सहूलियत से काम कर सकें

देश में कोरोना के कम होते मामलों के बीच केंद्र के सामने अलग सुझाव भी आने लगे। मांगें उठने लगीं। पूछा जाने लगा कि सबकुछ भारत सरकार ही क्यों नहीं तय कर रही। राज्य सरकारों को छूट क्यों नहीं दी जा रही। लॉकडाउन की छूट राज्य सरकारों को क्यों नहीं मिल रही है। वन साइज डज नॉट फिट फॉर ऑल की दलील दी गई। कहा गया कि स्वास्थ्य राज्य का विषय है इसलिए इस दिशा में शुरुआत की गई। हमने एक गाइडलाइन बनाकर राज्यों को दी ताकि वे अपनी सुविधा के अनुसार काम कर सकें।

### 21 जून से देश के सभी लोगों को मुफ्त में मिलेगी कोरोना वैक्सीन

**नई दिल्ली।** कोरोना काल में एक बार फिर देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों के लिए दो अहम घोषणाएं की हैं। ये घोषणाएं कोरोना के खिलाफ चल रहे युद्ध के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री ने पहली घोषणा की कि 21 जून से 18 वर्ष से ऊपर की आयु के देश के सभी नागरिकों को वैक्सीन मुफ्त लगेगी। केंद्र सरकार, प्रत्येक राज्य इसके लिए मुफ्त वैक्सीन मुहैया कराएगी। वैक्सीन निर्माताओं से कुल वैक्सीन उत्पादन का 75 प्रतिशत हिस्सा भारत सरकार खुद खरीदेगी और फिर इसे राज्य सरकारों को मुफ्त देगी। दूसरी महत्पूर्ण घोषणा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अब दीपावली तक आगे बढ़ाने की हुई है। मतलब नवंबर-2021 तक केंद्र सरकार 80 करोड़ से अधिक देशवासियों को, हर महीने तय मात्रा में मुफ्त अनाज उपलब्ध कराएगी। पीएम मोदी ने कहा, जो लोग भी वैक्सीन को लेकर आशंका पैदा कर रहे हैं, अफवाहें फैला रहे हैं, वो भोले-भाले भाई-बहनों के जीवन के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसी अफवाहों से सतर्क रहने की जरूरत है। पीएम मोदी ने कहा, आज सरकार ने फैसला लिया है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अब दीपावली तक आगे बढ़ाया जाएगा। महामारी के इस समय में, सरकार गरीब की हर जरूरत के साथ, उसका साथी बनकर खड़ी है। यानि नवंबर तक 80 करोड़ से अधिक देशवासियों को, हर महीने तय मात्रा में मुफ्त अनाज उपलब्ध होगा। पीएम मोदी ने कहा, देश की किसी भी राज्य सरकार को वैक्सीन पर कुछ भी खर्च नहीं करना होगा। अब तक देश के करोड़ों लोगों को मुफ्त वैक्सीन मिली है। अब 18 वर्ष की आयु के लोग भी इसमें जुड़ जाएंगे। सभी देशवासियों के लिए भारत सरकार ही मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध करवाएगी। पीएम मोदी ने कहा, 21 जून, सोमवार से देश के हर राज्य में, 18 वर्ष से ऊपर की उम्र के सभी नागरिकों के लिए, भारत सरकार राज्यों को मुफ्त वैक्सीन मुहैया कराएगी। वैक्सीन निर्माताओं से कुल वैक्सीन उत्पादन का 75 प्रतिशत हिस्सा भारत सरकार खुद ही खरीदकर राज्य सरकारों को मुफ्त देगी।

### कोरोना वैक्सीन की 1.49 करोड़ खुराक उपलब्ध

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** देश के विभिन्न राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना वायरस टीके की 1.49 करोड़ खुराक अभी भी उपलब्ध हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि अभी तक केंद्र ने वैक्सीन की 24 करोड़ (24,60,80,900) खुराक राज्यों को दी हैं। आज सुबह तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इनमें से अपव्यय सहित 23,11,69,251 का इस्तेमाल किया गया है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मुफ्त में कोविड के टीके उपलब्ध कराकर उनका समर्थन कर रही है। इसके अलावा, केंद्र सरकार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को टीकों की सीधी खरीद की सुविधा भी प्रदान कर रही है। कोविड की रोकथाम के लिए उचित व्यवहार के साथ-साथ महामारी की रोकथाम और प्रबंधन भारत सरकार की व्यापक रणनीति का एक अभिन्न स्तंभ है।

### पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार दूसरे दिन बढ़े

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** पेट्रोल-डीजल के दाम सोमवार को लगातार दूसरे दिन बढ़कर नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गये। देश के चार महानगरों में आज दोनों जीवाश्म ईंधनों के दाम 28 पैसे तक बढ़ गये। गत 04 मई से अब तक 20 दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाये गये हैं जबकि शेष 15 दिन कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस दौरान दिल्ली में पेट्रोल 4.91 रुपये तथा डीजल 5.49 रुपये महंगा हो चुका है। अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 28 पैसे बढ़कर 95.31 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई।

### आईएमए ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

## चिकित्सकों के लिए बेहतर माहौल सुनिश्चित करने का आग्रह किया

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** मरीजों के रिश्तेदारों द्वारा डॉक्टरों पर हमले की घटनाओं के मद्देनजर भारतीय चिकित्सक संघ (आईएमए) ने चिकित्सा पेशेवरों के लिए ''बेहतर माहौल'' सुनिश्चित करने के वास्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप करने का सोमवार को आग्रह किया ताकि वे बिना किसी भय के अपना काम कर सकें। आईएमए ने प्रधानमंत्री से उनकी लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करने की अपील करते हुए, निहित स्वार्थ वाले कुछ लोगों द्वारा आधुनिक चिकित्सा और कोविड - 19 टीकाकरण के खिलाफ गलत सूचना के उद्देश्यपूर्ण प्रसार को रोकने की जरूरत रेखांकित की है। मोदी को लिखे एक पत्र में आईएमए ने कहा कि कोविड-19 टीकाकरण अभियान के खिलाफ गलत सूचना फैलाने वाले व्यक्तियों पर, महामारी रोग अधिनियम, 1897, भारतीय दंड संहिता और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 समेत कानून के अनुसार मामला दर्ज किया जाये और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। आईएमए ने पत्र में कहा है, ''कोविड-19 संक्रमित रोगियों के उपचार के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी प्रोटोकॉल के खिलाफ आम जनता के मन में संदेह पैदा करने वाले किसी भी व्यक्ति को उसके इन कृत्यों के लिए दंडित किया जाना चाहिए और साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की मंजूरी के बिना किसी भी व्यक्ति द्वारा तथाकथित 'जादुई उपचार' या 'चमत्कारिक दवाओं' को बढ़ावा देकर आम जनता को मूर्ख बनाने के प्रयासों पर अंकुश लगाया जाना चाहिए।

### मोदी सरकार में लगातार आ रही है टैक्स बढ़ोतरी की लहरः राहुल गांधी

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों जारी बढ़ोतरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए सोमवार को कहा कि उनके शासन में टैक्स बढ़ोतरी की लहरें लगातार आ रही है जिससे महंगाई आसमान छू रही है और आम लोगों का जीना दूभर हो गया है। श्री गांधी ने ट्वीट किया,कई राज्यों में अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो रही है। पेट्रोल पम्प पर बिल देते समय आपको मोदी सरकार द्वारा किया गया महंगाई में विकास दिखेगा। टैक्स वसूली महामारी की लहरें लगातार आती जा रही हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी टैक्स बढ़ोतरी को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए ट्वीट किया,भयंकर जनलूट - पिछले 13 महीने में पेट्रोल 25.72 रुपए, डीज़ल 23.93 रुपए प्रति लीटर महँगा हुआ।

## भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी ने एंटीगुआ पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी ने एंटीगुआ पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई है। मेहुल चोकसी ने कहा है कि आठ से 10 लोगों ने उसे बेरहमी से पीटा और उसका फोन, घड़ी और बटुआ (वॉलेट) छीन लिया। इन लोगों ने खुद को एंटीगुआ पुलिस से होने का दावा किया था। इन लोगों ने मुझे इतना पीटा कि मैं मुश्किल से होश में रह पाया था। उन्होंने मेरा फोन, घड़ी, वॉलेट छीन लिए थे, लेकिन बाद में यह कहते हुए कि वे मुझे लूटना नहीं चाहते हैं मेरे पैसे वापस कर दिए थे। एंटीगुआ पुलिस को अपनी शिकायत में मेहुल चोकसी ने कहा है कि बीते एक साल से मैं बारबरा जाबेरिका के साथ मैत्रीपूर्ण शर्तों पर रहा हूं। 23 मई को उसने मुझे अपने घर पर लेने के लिए कहा। जब मैं वहां गया तो सभी दरवाजों से 8-10 लोग आए और मुझे बेरहमी से पीटा। जब मुझे पीटा जा रहा था तो जाबेरिका ने मदद के लिए आवाज भी नहीं लगाई ना तो उसने मेरी सहायता करने की कोशिश की। जाबेरिका ने जिस तरह से व्यवहार किया उससे लगता है कि वह मेरे अपहरण की इस पूरी योजना का हिस्सा थी। उल्लेखनीय है कि पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) को हजारों करोड़ रुपये की चपत लगाकर विदेश भागा हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी भारत की पकड़ में आते-आते बच गया था। कैरेबियाई देश डोमिनिका में पकड़े गए चोकसी के खिलाफ सुबूतों का पुलिंदा लेकर एक भारतीय दल चार्टर्ड विमान से वहां पहुंचा था, ताकि उसे भारत लाया जा सके। डोमिनिका की अदालत से चोकसी को भारत लाए जाने से फिलहाल कुछ मोहलत मिल गई है। चोकसी पीएनबी के साथ 13,500 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अपने भांजे नीरव मोदी के साथ वांछित है।

### बंगाल के उत्तर 24 परगना में हिंसा से प्रभावित लोगों ने किया रोड जाम

## भाजपा सांसद बोले, पुलिस असहाय है

**परगना, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में चुनाव के बाद हुई हिंसा से प्रभावित लोगों ने जगलदबाजार में घोषपारा रोड को जाम किया। भाजपा सांसद अर्जुन सिंह भी वहां पहुंचे। भाजपा सांसद अर्जुन सिंह ने कहा कि पुलिस असहाय है। कल जगदलबाजार में 7 दुकानों को लूटा गया। व्यापारियों ने रास्ता अवरुद्ध किया था। 150 पुलिस खड़ी है और उस बीच बम पड़ रहा है।

पुलिस बाहर कह रही है कि इन जिहादियों के चलते ही बंगाल में सरकार आई है इसलिए हमें स्पष्ट निर्देश हैं कि इनके खिलाफ कोई एक्शन न लें। पश्चिम बंगाल में एक शादी समारोह के दौरान दो गुटों के बीच विवाद के दौरान हुई झड़प में बम से हमला किया गया। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि बमबारी का मकसद सांप्रदायिक तनाव फैलाना हो सकता है। खबरों के अनुसार उत्तर 24 परगना जिले में शादी समारोह में एक घर पर हम फेंका गया, इसके बाद दो गुटों के बीच झड़प हुई। बंगाल में चुनाव बाद कानून-व्यवस्था की स्थिति को 'बेहद चिंताजनक' करार देते हुए राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहा कि उन्होंने इस 'प्रतिशोधात्मक हिंसा' पर काबू पाने के लिए प्रशासन द्वारा उठाये गये कदमों के बारे में जानने के लिए मुख्य सचिव एच के द्विवेदी को बुलाया है। उन्होंने यह भी दावा किया राज्य पुलिस ''राजनीतिक विरोधियों से बदला लेने के लिए सत्ताधारी व्यवस्था के विस्तार के तौर पर'' काम कर रही है। धनखड़ ने ट्विटर पर अपनी बात रखते हुए कहा कि बंगाल में लाखों लोग विस्थापित किये जा रहे हैं एवं करोड़ों रुपयों की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने ट्वीट किया, '' कानून-व्यवस्था का बहुत ही चिंताजनक परिदृश्य। सुरक्षा के माहौल के साथ गंभीर समझौता किया जा रहा है।

### मुलायम सिंह यादव ने लगवाई कोरोना वैक्सीन

**लखनऊ, एजेंसी।** समाजवादी पार्टी के संस्थापक व पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव ने सोमवार को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लखनऊ के मेदांता अस्पताल में लगवाई। बीते दिनों उनके पुत्र व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वैक्सीन का विरोध किया था। अखिलेश ने पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि मैं कोरोना का टीका नहीं लगवाऊंगा। ये टीका तो भाजपा वालों का है। मैं इस पर कैसे विश्वास कर सकता हूं। अखिलेश यादव के बयान पर तब इंटरनेट मीडिया पर खूब हंगामा मचा था। 81 वर्ष के मुलायम सिंह यादव ने सोमवार को मेदांता हॉस्पिटल में वैक्सीन की पहली डोज लगवाई। इस बात की जानकारी समाजवादी पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से दी गई है। मुलायम सिंह से पहले उनकी बहू अपर्णा यादव ने भी पिछले महीने लखनऊ के लोकबंधु हॉस्पिटल में वैक्सीन लगवाई थी।

## अनलॉक हुई दिल्ली, मेट्रो चलते ही उड़ी नियमों की धज्जियां

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कोविड-19 महामारी की भयावह दूसरी लहर के चलते राष्ट्रीय राजधानी में एक महीने तक कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे और अब अनलॉक की प्रक्रिया को शुरू करते हुए दिल्ली मेट्रो का संचालन शुरू कर दिया गया है। हालांकि सोमवार को पहले ही दिन यात्रियों को नियमों की जमकर अनदेखी की। पूर्वी दिल्ली के निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन से राजीव चौक (ब्लू लाइन) और राजीव चौक से आईएनए मार्केट (येलो लाइन) तक मेट्रो की सवारी के दौरान स्टेशनों पर नियमित घोषणाएं की गईं कि मेट्रो के अंदर यात्रियों को अभी भी खड़े रहने की अनुमति नहीं है, लेकिन बार-बार कहने के बावजूद भी नियमों का पालन नहीं किया गया। कोविड के उचित व्यवहार पर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के दिशा-निदेशरें का पालन करते हुए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने 50 प्रतिशत बैठने की क्षमता के साथ अपनी सेवाएं शुरू कीं। सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि मेट्रो के डिब्बों में किसी भी यात्री को खड़ा नहीं होने दिया जाएगा, हालांकि सोमवार को कई लोग इसे तोड़ते हुए देखे गए। कोविड के मामलों में असामान्य वृद्धि को देखते हुए 19 अप्रैल से दिल्ली में लॉकडाउन की घोषणा की गई थी।

## कोरोना काल में उत्तर प्रदेश को मिले 66000 करोड़ के 96 प्रस्ताव

### 18 निवेशकों को दी गई जमीन

**लखनऊ, एजेंसी।** कोरोना कालखंड में भी उत्तर प्रदेश पर निवेशकों का भरोसा कायम है। इस आपदा काल में भी यूपी को 66000 करोड़ रुपये के 96 निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें से 18 निवेशकों की 16000 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं के लिए जमीन आवंटित करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। सरकार के प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि सभी औपचारिकताएं जल्द से जल्द पूरी की जाएं और परियोजनाओं का क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाए। सीएम योगी ने संबंधित विभागों को निवेशकों के साथ लगातार संपर्क में रहने और उनके निवेश के क्षेत्र से संबंधित नीति के अनुसार उन्हें सब्सिडी सहित हर संभव मदद देने को कहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य में निवेश प्रस्तावों को अमली जामा पहनाने की प्रगति की समीक्षा की है। सीएम योगी ने कहा कि कोविड 19 की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी देश-विदेश के निवेशकों ने उत्तर प्रदेश की निवेश अनुकूल नीतियों पर पूरा भरोसा जताया है। औद्योगिक विकास को गति देने और रोजगार का दायरा बढ़ाने के लिए उन्होंने इन निवेश प्रस्तावों को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारने का निर्देश दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग लड़ने के साथ सभी सावधानियां बरतते हुए उत्तर प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों को संचालित किया जा रहा है।

## खाद्य सुरक्षा को लेकर तेजी से हो रहे हैं ठोस कामः नरेंद्र सिंह तोमर

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि देश में खाद्य सुरक्षा को लेकर तेजी से ठोस काम हो रहा है और इसके साथ ही लोग स्वच्छता तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हुए है। श्री तोमर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश के आर्थिक विकास के कारण कमजोर लोगों के लिए आजीविका में सुधार लाने में काफी प्रगति हुई है, आम लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठ रहा है। सरकार ने बचपन में कुपोषण और अविकसितता रोकने के लिए पोषण संबंधी योजनाओं पर गत वर्ष पौने 15 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इस बजट में एकीकृत पोषण सहायता कार्यक्रम- मिशन पोषण की भी घोषणा की गई है। कृषि मंत्री ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर, पीएचडी चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा, स्वस्थ कल के लिए आज सुरक्षित भोजन, विषय पर आयोजित वेब संगोष्ठी में कहा कि सरकार ने समाज के विकास-कल्याण के लिए पोषण के महत्व के मद्देनजर स्कूलों में मध्याह्न भोजन, गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं को राशन, गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों के लिए रियायती अनाज उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए है। इसमें आंगनवाड़ियों और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि पौष्टिक खाद्य उत्पाद सुनिश्चित करना खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का अभिन्न पहलू है, यह सरकार के प्रमुख उद्देश्यों में से भी एक है। कृषि-खाद्य क्षेत्रों में विविध सुधारों और उपायों के कारण भारत में खाद्यान्न, फल-सब्जियां, डेयरी, मांस, पोल्ट्री आदि का उच्च उत्पादन देखा जा रहा है। श्री तोमर ने कहा कि नवीनतम तकनीक के प्रसंस्करण के जरिये, भोजन के पोषक मूल्य को संरक्षित किया जा सकता है।

### हरभजन ने खालिस्तानी आतंकी भिंडरावाले को शहीद कहा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय टीम के स्टार ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया। उन्होंने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में मारे गए खालिस्तानी आतंकी जरनैल सिंह भिंडरावाले को शहीद कहा है। हरभजन ने ऑपरेशन ब्लू स्टार की 37वीं बरसी पर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की। इसमें लिखा, सम्मान के साथ जीना और धर्म के लिए मरना। 1 जून से 6 जून 1984 को सचखंड श्री हरिमंदर साहिब पर शहीद होने वाले सिंह-सिंहनियों की शहादत को प्रणाम। हरभजन ने अपनी इंस्टा स्टोरी में भिंडरावाले का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने जो फोटो शेयर की, उसमें खालिस्तानी आतंकी भिंडरावाले की तस्वीर भी थी। हरभजन ने इसके लिए सोशल मीडिया पर माफी मांगी है। उन्होंने लिखा- मैं कल के अपने पोस्ट के लिए माफी मांगता हूं।

## अब उत्तर प्रदेश के 3 शहरों में ही कोरोना कर्फ्यू

### 24 घंटों में मिले 727 नए संक्रमित

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर पर नियंत्रण लगता दिख रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ जबसे खुद ग्राउंड जीरो पर उतारकर कोरोना मैनेजमेंट की निगरानी कर रहे हैं, उसके बाद से लगातार संक्रमण की दर में गिरवाट देखने को मिल रही है। सीएम योगी के ट्रेस, टेस्ट और ट्रीट फार्मूले का ही असर है कि अब प्रदेश में संक्रमण दर शून्य के आसपास पहुंच चुकी है। बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के सिर्फ 727 नए मामले प्रदेश भर में मिले। कोरोना संक्रमण की वजह से लगे आंशिक कोरोना कर्फ्यू से अब लगभग पूरा प्रदेश राहत पा चुका है। 600 से कम सक्रिय मामले होते ही सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा करते हुए सहारनपुर को भी छूट देने का निर्देश दिया। अब सिर्फ लखनऊ, गोरखपुर और मेरठ में ही 600 से अधिक सक्रिय केस होने की वजह से वहां प्रतिबंध लागू है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास से वर्चुअल समीक्षा बैठक की। इसमें बताया कि सहारनपुर में भी कोरोना के सक्रिय मामले 600 से कम हो गए हैं। लिहाजा इन्हें कोरोना कर्फ्यू से छूट दे दी गई। यहां भी अन्य 72 जिलों की तरह शनिवार-रविवार की साप्ताहिक बंदी को छोड़कर बाकी पांच दिनों में सुबह सात से शाम सात बजे तक बाजार खुल सकेंगे। वहीं, लखनऊ, गोरखपुर और मेरठ में कोरोना संक्रमण के मामले अभी भी 600 से अधिक हैं। इनके संबंध में मंगलवार को विचार किया जाएगा। समीक्षा बैठक सीएम योगी आदित्यनाथ को बताया गया कि अन्य राज्य कोरोना नियंत्रण में उत्तर प्रदेश से बहुत पीछे हैं। उत्तर प्रदेश पांच करोड़ से अधिक कोरोना टेस्ट करने वाला अकेला राज्य है। प्रदेश के किसी जिले में 100 से अधिक कोरोना केस नहीं आए हैं, जबकि यूपी से आधी आबादी वाले महाराष्ट्र में कल 13,000 केस और अभी तक एक लाख से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। उत्तर प्रदेश में चौबीस घंटों के दौरान तीन लाख दस हजार कोरोना टेस्ट हुए, जिनमें संक्रमण के 727 नए मामले आए हैं। इस दौरान 2,860 लोगों ठीक होने के बाद जिस्चार्ज कर दिया गया है। अब राज्य की पॉजिटिविटी दर 0.2 फीसद पहुंच चुकी है। राज्य में अब कुल एक्टिव केस 15,600 है। प्रदेश में अब तक 2 करोड़ दो लाख 54 हजार वैक्सीन डोज लोगों को दी जा चुकी है।

### कोरोना रिकवरी दर बढ़कर 93.67 फीसदी

**नयी दिल्ली।** देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार धीमी पड़ने और इस महामारी को मात देने वालों की संख्या में निरंतर इजाफा होने से सक्रिय मामलों की दर घटकर 5.13 प्रतिशत रह गयी है जबकि रिकवरी दर बढ़कर अब 93.67 फीसदी हो गयी है। इस बीच रविवार को 13 लाख 90 हजार 916 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 23 करोड़ 27 लाख 86 हजार 482 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार की सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 1,00,636 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर दो करोड़ 89 लाख नौ हजार 975 हो गया। इस दौरान एक लाख 74 हजार 399 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर देश में अब तक दो करोड़ 71 लाख 59 हजार 180 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान 2427 मरीज अपनी जान गंवा बैठे और इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर तीन लाख 49 हजार 186 हो गयी है।

# यूपी में थमा कोरोना, थर्ड वेब से निपटने को तैयार

## रिकवरी रेट 98 परसेंट, 24 घण्टे में 700 नये केस



**लखनऊ,| सवांददाता**

यूपी में कोरोना कंट्रोल में आ गया है। 24 घण्टे में सिर्फ700नये केस आये हैं। मेरठ, लखनऊ और गोरखपुर में ही अभी कैसेज ज्यादा है। रिकवरी रेट98 परसेंट हो गया है। उत्तर प्रदेश में ट्रेस, टेस्ट और ट्रीट फॉमूर्ले का असर हुआ है। आज सोमवार को कोरोना के नए मामले 1000 से भी कम होकर महज 700 सौ पहुंच गये हैं। सरकारी हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक 24 घंटे में टेस्ट 3.10 लाख टेस्ट किए गये है। अब राज्य में कोरोना के नए मामले महज 700 बचे हैं। अब सिर्फमेरठ लखनऊ और गोरखपुर में 600 से ज्यादा सक्रिय मामले हैं। उत्तर प्रदेश के किसी जिले में 100 से अधिक केस नहीं आएहैं। दो जिलों में एक भी केस नहीं आया। 45 जिलों में सिंगल डिजिट में केस बाकी में डबल डिजिट में मामले आए हैं। अब राज्य में कुल 15600 सक्रिय केस बचे हैं, इसके अलावा 2860 लोग डिस्चार्ज भी हो चुके है। यहां पर 5 करोड़ से अधिक टेस्ट हो चुके हैं। इसके अलावा यहां पर 2.02 करोड़ टीकाकरण भी हो चुका है। एक्टिव मरीजों की संख्या मात्र 37 दिनों में 90 फीसदी से अधिक घट गई है। 30 अप्रैल को यह 3 लाख 10 हजार 783 थी। अब यह संख्या घटकर 17928 पर आ गई है। रिकवरी रेट लगातार सुधरते हुए करीब 98 फीसदी तक पहुंच गई है।पहले चरण की तुलना में 30 से 50 फीसदी संक्रामक कोरोना के दूसरे चरण को बैकफुट पर लाने के साथ योगी आदित्यनाथ की सरकार तीसरे चरण पर जीत का पुख्ता इंतजाम कर रही है। संभावना जताई जा रही है कि कोरोना की तीसरी लहर के प्रति बच्चे अपेक्षाकृत अधिक संवेदनशील होंगे। लिहाजा तैयारियों के केंद्र में भी बच्चे ही हैं। इस बाबत सीएम योगी का साफ निर्देश है कि सभी मेडिकल कॉलेजों में पीआईसीयू (पीकू) और एनआईसीयू की स्थापना को तेजी से पूरा किया जाए। इनमें 100-100 बेड के पीआईसीयू और 50,50 बेड के एनआईसीयू भी हों। जिला अस्पताल और सीएचसी स्तर पर भी मिनी पीआईसीयू (पीकू) स्थापित किए जा रहे हैं। जरूरत पर इनके लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षण के कार्यक्रम तेजी से चल रहे हैं। कोरोना को जीतने का सबसे प्रभावी हथियार टीकाकरण ही है। इस क्रम में अब तक प्रदेश में वैक्सीन के 2 करोड़ 34 से अधिक डोज लगाए जा चुके हैं, जून में एक करोड़ से अधिक टीकाकरण का लक्ष्य है सोमवार से महिलाओं के लिए जिला अस्पताल और संयुक्त जिला चिकित्सालयों में टीकाकरण के अलग बूथ होंगे, जिनके बच्चे 12 साल से कम हैं उनके, मीडियाकर्मियों व उनके परिजनों और संक्रमण के प्रति संवेदनशील वर्गो के लिए फोकस्ड वैक्सिनेशन का निर्देश पहले ही सीएम योगी ने दे दिया है।

# कोरोना महामारी में सरकार ने की आंकड़ों की बाजीगारी: प्रियंका

**लखनऊ, संवाददाता।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी ने जिम्मेदार कौन अभियान में केंद्र सरकार द्वारा कोरोना से सम्बंधित आंकड़ें छिपाने और आंकड़ों की बाजीगरी करने पर महत्वपूर्ण सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आंकड़ों को अपनी छवि बचाने के माध्यम की तरह क्यों प्रस्तुत करती है? 'क्या इनके नेताओं की छवि, लाखों देशवासियों की जान से ज्यादा महत्वपूर्ण है'? सही आंकड़ें अधिकतम भारतीयों को इस वायरस के प्रभाव से बचा सकते हैं। आखिर क्यों सरकार ने आंकड़ों को प्रोपेगंडा का माध्यम बनाया न कि प्रोटेक्शन का? प्रियंका गाँधी ने कुछ उदाहरणों को रखते हुए केंद्र सरकार से जिम्मेदारी लेने की मांग की है और कहा कि सरकार को इसका जवाब देना होगा. उन्होंने कहा कि 'सरकार ने शुरू से ही कोरोना वायरस से हुई मौतों एवं कोरोना संक्रमण की संख्या को जनसँख्या के अनुपात में दिखाया मगर टेस्टिंग के आंकड़ों की टोटल संख्या बताई'।

'आज भी वैक्सीनेशन के आँकड़ों की टोटल संख्या दी जा रही है आबादी का अनुपात नहीं और उसमें पहली व दूसरी डोज को एक में ही जोड़कर बताया जा रहा है'। ये आंकड़ों की बाजीगरी है। प्रियंका गाँधी ने देश के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा उठाये गए सवालों पर केन्द्र सरकार से जवाब माँगा है। उन्होंने कहा कि आखिर क्यों 'वैज्ञानिकों द्वारा बार-बार मांगने के बावजूद कोरोना वायरस के बर्ताव एवं बारीक अध्ययन से जुड़े आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया'? जबकि इन आँकड़ों को सार्वजनिक करने से वायरस की गति और फैलाव की जानकारी ठीक तरह से होती और हजारों जानें बच सकती थीं? प्रियंका गाँधी ने कहा कि जागरूकता का साधन बनाने की बजाय सरकार ने आँकड़ों को बाजीगरी का माध्यम बना डाला।

# देश के अंदर बच्चों मे सवाधिक 46 फीसदी कुपोषण उत्तर प्रदेश में: लल्लू

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने राज्य में भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार की कुपोषण संकट से बच्चों को बचाने की नीति पर हमला बोलते हुए कहा कि देश के अंदर बच्चों मे सवार्धिक 46: कुपोषण से उत्तर प्रदेश के बच्चों का ग्रसित होना यह साबित करता है।की उसका पोषण मिशन पूरी तरह कागजो पर है जमीनी सच्चाई से उसका कोई लेना देना नही है।उन्होने कहा कि 6 माह से 6 वर्षो तक के बच्चों में कुपोषण की 46:दर से यह समझा जा सकता है कि सरकार का पोषण मिशन पूरी तरह भर्ष्टाचार का शिकार हो चुका है जिसके कारण प्रतिदिन लगभग 700 बच्चे असमय सरकारी लापरवाही के चलते मौत के मुह में जा रहे है और सरकार अपने गाल बजाने में मस्त है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि ताजा आंकड़े दिल की धड़कनों को बढाने के लिये पर्याप्त है कि शिशु मृत्यु दर में उत्तर प्रदेश देश मे पहले पायदान पर खड़ा होकर विकास की गाथा की झूठी कहानी बता रहा है जबकि जमीनी सच यह है कि कुपोषण के चलते हर 10 में 4 बच्चे गम्भीर रूप से अतिकुपोषित है,जिसके कारण उनके शारीरिक विकास में भी बाधा आती है जबकि इस समस्या से निपटने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइडलाइन के अनुसार कुपोषण से लड़ने के लिये जच्चा व बच्चे के लिये समग्र योजना के लिये महिला बाल विकाश व पुष्टाहार विभाग को भारी भरकम रकम बजट में आवंटित करने के बाद भी यह समस्या उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही है,प्रश्न करते हुए उन्होंने कहा कि आखिर इसके लिये कौन जिम्मेदार है?उन्होंने कहा कि कुपोषण जैसी गम्भीर समस्या को हल्के में लेकर आवंटित बजट का दुरुपयोग किया जाना समस्या को अतिगम्भीर बनाने में राज्य सरकार की भर्ष्टाचार को संरक्षण देने वाली अनीति की महत्वपूर्ण भूमिका से कौन इनकार कर सकता है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि डिजेबीलिटी एडजस्टमेंट लाइफईयर्स की रिपोर्ट के अनुसार सवार्धिक कुपोषण उत्तर प्रदेश के बच्चों में पाया जाना चिंताजनक है यही नही नेशनल न्यूट्रिशन मिशन की रिपोर्ट कहती है कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार के दावे की 2022 तक कुपोषण पर विजय प्राप्त कर लेंगे को उसने पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि जिस तरह राज्य सरकार के स्तर पर लापरवाही बरती गयी है उससे के कारण यह सम्भव नही है।उन्होंने कहा कि जच्चा को पोषण युक्त आहार न मिलने का कारण गर्भ में ही बच्चे कुपोषित होने को विवश है वही दूसरी तरफ बच्चे जन्म के बाद पुष्टाहार की सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है,जिसके चलते प्रतिदिनऔसतन 700 बच्चों की मौतें हो रही इन मौतो के लिये सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ही 17.09:बच्चे कुपोषण के शिकार है तो अन्य जनपदों व दूरस्थ ग्रामीण इलाकों की तस्वीर कितनी भयावह होगी उसके बाद भी राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार झूठे आंकड़ों की बाजीगरी के खेल के माध्यम से जनता को गुमराह करती है और कुपोषण के शिकार बच्चों के अधिकारों पर निर्लज्जतापूर्ण तरीके से भर्ष्टाचार कर उन्हें उनके हाल पर छोड़ देती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि उत्तरप्रदेश में 3,98,359 बच्चे अतिगम्भीर कुपोषण का शिकार है यह आंकड़े दिल को दहलाने के साथ साथ सरकारी की पोल खोलने के लिये पर्याप्त है,उंन्होने कहा कि बच्चों के मामले में सम्वेदनहीनता की पराकाष्ठा को पार करने वाली यह सरकार केवल झूठे सपने दिखाती है यही नही उसे संविधान की मर्यादा व विधायी नियमो की भी चिंता नही रहती क्योंकि सरकार विधानसभा सत्र हो विभागीय आंकड़ों की बाजीगरी में भी निर्लज्जता के साथ झूठ बोलने में परहेज नही करती है,जमीनी सच्चाई से दूर यह सरकार पूरी तरह से कुपोषण से निपटने में विफल हुई है इसके दावे थोथे है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि कोरोना महामारी की विकरालता व गरीबो पर आए रोजी रोटी के संकट के बाद जच्चा व बच्चा में कुपोषण की दर तेजी से बढ़ने की सम्भवना विकराल रूप धारण कर सकती है।



# दुकानदारों ने जबरन खोली दुकाने ताली थाली बजाकर किया सरकार का विरोध

■ आशिक लॉकडाउन में दुकानें खोलने वाले दुकानदारों के खिलाफपुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

**लखनऊ, संवाददाता।** वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की दूसरी लहर की रोकथाम के लिए लंबे समय से जारी आंशिक लॉकडाउन से परेशान लखनऊ में कुछ दुकानदारों ने आज लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए दुकानें खोल दी। दुकानें खोले जाने की सूचना पर पहुंची तालकटोरा पुलिस ने दुकानदारों से दुकानें बंद करने के लिए कहा तो आक्रोशित दुकानदारों ने अपनी दुकानों के आगे ही धरना देना शुरू कर दिया। काफी दिनों से बाजार बंदी की मार झेल रहे राजाजीपुरम क्षेत्र के तमाम दुकानदारों ने ताली थाली बजाकर सरकार का विरोध करना शुरू कर दिया। दुकाने बंद करवाए जाने से नाराज दुकानदारों द्वारा दिए जा रहे हैं धरने को समाप्त करने के लिए इस्पेक्टर तालकटोरा ने व्यापारियों से काफी मान मनव्वल की लेकिन व्यापारी मानने को तैयार नहीं थे काफी समझाने बुझाने के बाद लॉकडाउन में जबरदस्ती दुकानें खोलने वाले दुकानदारों ने अपनी दुकानें तो बंद कर दी लेकिन आंशिक लॉकडाउन का उल्लंघन कर दुकानें खोलने और दुकानों के बाहर धरना देने वाले दुकानदारों के खिलाफ तालकटोरा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसीपी बाजार खाला विजय राज सिंह ने बताया कि आंशिक लॉकडाउन के दौरान राजाजीपुरम के कुछ दुकानदारों द्वारा दुकानें खोलने और पुलिस के मना करने के बावजूद धरना दिए जाने के खिलाफ 10-12 दुकानदारों के खिलाफ तालकटोरा थाने में लॉकडाउन के उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। उनका कहना था कि लॉकडाउन में दुकानें खोलने पर पूरी तरह से पाबंदी है बावजूद इसके मार्केट की कुछ दुकानदारों ने दुकान खोली और पुलिस के मना करने पर धरना प्रदर्शन भी किया । आपको बता दें कि लखनऊ के कुछ दुकानदारों ने पहले ही कह दिया था कि यदि 7 मई तक उनकी दुकानों को खोलने की इजाजत नहीं दी गई तो दुकानदार अपनी मर्जी से दुकानें खोलकर अपने व्यापार को शुरू करेंगे कुछ दुकानदारों द्वारा किया गया यह ऐलान सच साबित हुआ और आज तालकटोरा के राजाजीपुरम में लॉकडाउन के उल्लंघन का यह नजारा देखने को भी मिल गया। लॉकडाउन में दुकानें खोलने वाले दुकानदारों का कहना था कि तमाम दुकानें गली मोहल्लों में दुकानदार खोल रहे हैं तो हम अपनी दुकानें क्यों बंद रखें। आक्रोशित दुकानदारों का कहना था कि लंबे समय से बंदी के कारण हम लोगों को परिवार पालने में दिक्कत हो रही है । अपनी दुकानों के सामने ताली और थाली बजाकर सरकार का विरोध कर रहे दुकानदारों का गुस्सा भले ही जायज हो लेकिन कानूनी तौर से दुकान में खुलना पूरी तरह से अवैध ही है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 600 से ज्यादा है इसलिए लखनऊ को सरकार द्वारा लॉकडाउन से आजादी फिलहाल नहीं दी गई है।



## शत प्रतिशत वैक्सीनेशन कराने वाली ग्राम पंचायत को मिलेंगे 10 लाख: अनुप्रिया

**लखनऊ, संवाददाता।** अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने अपने संसदीय क्षेत्र मिर्जापुर के लोगों की सुरक्षा के लिए एक ऐलान किया है। उन्होंने ऐलान किया है कि श्शत प्रतिशत कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य पूरा कीजिए और ग्राम पंचायत के विकास के लिए 10 लाख का इनाम पाइए। कोरोना वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने के मकसद से यह ऐलान किया गया है। अनुप्रिया पटेल ने घोषणा की है कि मिर्जापुर जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों नगर, मझवां, छानबे, चुनार, मड़िहान की ग्राम पंचायतों में जो भी ग्राम पंचायत सबसे पहले कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करेगी, उस ग्राम पंचायत में सांसद क्षेत्रीय विकास निधि से 10 लाख रुपये का विकास कार्य कराया जाएगा। घोषणा के तहत जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्र की पांच ग्राम पंचायतों प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की एक ग्राम पंचायत में विकास कार्य कराया जायेगा। अनुप्रिया पटेल ने कहा है कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के वैक्सीनेशन के लिए अभियान चलाकर वैक्सीनेशन कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सभी को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करने के लिए समय-समय पर संदेश भी जारी किये जा रहे हैं। इस बाबत मिर्जापुर जनपद के जिलाधिकारी को पत्र लिखा है, ताकि जिला पंचायत राज अधिकारी के माध्यम से इसकी सूचना जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में दे दी जाये।

## कोरोना काल में जरूरतमंदो को काम मिलने के साथ बदल रही निगोहा गांव की सूरत

**लखनऊ, संवाददाता।** कोरोना काल मे जहा एक ओर रोजी व रोटी का संकट आन पड़ा है वही दूसरी ओर निगोहा गांव में उभरने के साथ कर्फ्यू के दौरान गांव में रोजगार मिलने के साथ-साथ गांव की सूरत भी बदलती हुई नजर आने लगी है। निगोहा ग्राम पंचायत के प्रधान मनरेगा के तहत गांव में करीब आधा दर्जन पटे पड़े नालों की खुदाई के साथ गांव की गलियों की मरम्मत और उन्हें चमकाने में जुटे हुए है। मोहनलालगंज विकासखण्ड के निगोहा ग्राम पंचायत के प्रधान अभयकांत दीक्षित ने बताया कोरोना संकटकाल के दौरान मजदूर तबके के लोगो ने काम न मिलने की वजह भारी संकट झेला है। इसलिए काम शपथ लेते ही अधिकारियों से बात कर गांव के पटे पड़े आधा दर्जन गांव के नालों की खुदाई में करीब तीन दर्जन से अधिक मजदूरों को रोजगार देने के लिये काम पर लगा दिया गया है।इसके साथ गांव के बिगड़े पड़े रास्तो ठीक कराने के साथ-साथ साफसफाई भी लगातार कराई जा रही है। इसकी वजह से गांव के रास्ते गालियां साफसुथरी नजर आने लगी और इसका असर ये हुआ कि कोरोना से उभरे लोग साफसफाई देखकर खुद भी अपने आसपास उस सफाई को बरकरार भी रख रहे हैं। ताकि गंदगी की वजह से किसी तरह की बीमारी उनके बच्चों और परिवार के लोगो को अपनी चपेट में न ले।

## संक्षिप्त समाचार

### कांग्रेस ने कसी कमर,मिशन-2022 को तैयार

**लखनऊ, संवाददाता।** यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा के लिए कुछ ही महीनों का वक्त रह गया है। चुनाव की तैयारियों के लिए सभी पार्टियां जी जान से जुट गई है। कांग्रेस ने भी चुनाव के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस ने अभी से ही कुछ विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारने का भी इशारा दिया है। कांग्रेस ने फिलहाल यू पी की 46 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारने का प्लान बनाया है। उम्मीदवारों को क्षेत्र का नाम भी बता दिया गया है। आलाकमान ने इन नेताओं से चुनाव की तैयारी करने को भी कहा है। सभी नेताओं से कहा गया है कि वे फील्ड में जाकर अपनी पूरी तैयारी करे। सूत्रों का दावा है कि वाराणसी के पिंडरा विधानसभा क्षेत्र से अजय राय, इलाहाबाद उत्तरी सीट से अनुग्रह नारायण सिंह, महाराजगंज की फरेंदा सीट से वीरेंद्र चौधरी, शामली से पंकज मलिक चुनावी मैदान में उतारे जाने की चर्चा है। पार्टी के नेता कुछ बोलने से कतरा रहे हैं। ऐसे 46 नेता हैं जिन्हें अपनी तैयारी करने को कहा गया है। 2017 के चुनाव में कांग्रेस के खाते में सिर्फ 7 सीटें आई थी। इनमें भी रायबरेली से चुने गए उसके दो विधायक बागी हो गए हैं। लेकिन कांग्रेस के लीडर कहते हैं कि बहुत बयार देखी है कांग्रेस ने,लोग आते जाते रहते हैं।

### कोविड किट वितरण के साथ पुलिसकर्मियों का सम्मान

**लखनऊ, संवाददाता।** कोरोना की दूसरी लहर जितनी तीव्र थी उतनी ही तीव्रता से ममता चौरीटेबल ट्रस्ट ने कोरोना पर विजय प्राप्त करने के निमित्त महाअभियान चलाकर कोविड दवाइयां,ऑक्सीजन,भाप मशीन,नेबुलाइजर, मास्क, सेन्टाइजर के साथ साथ भोजन,वस्त्र तथा जनजागरण करके पूरे शहर के कोने कोने की नोक नोक पर अपनी सक्रिय,सहज,सुलभ और सारगर्भित सेवा भाव के साथ निरन्तर असह्यायो और गरीबो की चाह की राह बनी रही। उक्त बात ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाज सेवक रजीव मिश्रा ने आज गढ़ी कनौरा में पुलिसकर्मियों के भव्य सम्मान एवं वितरण कार्यक्रम के दौरान कही। आज राहुल तिवारी,नवीन मिश्रा, मनोज जयसवाल, शिवकुमार, रामबाबू, आयुष मिश्रा, अभयराज, सुरेश, राकेश भारती, सूर्यांश मिश्रा, गौरव पांडेय, गंगा प्रसाद, सचिन मिश्र, प्राँशू मिश्रा, शत्रुघ्न रावत,सपना कनौजिया, उमाशंकर सहित ममता टीम के देखरेख समिति,चयन समिति तथा वितरण समिति के प्रमुख पदाधिकारीगण की उपस्थिति में आज गढ़ी कनौरा सहित अनेकानेक बस्तियों में कोविड किट वितरित की गई। विदित हो कि ममता के इस विहंगम महा अभियान की चारो तरफ से सराहना के संदेश लगातार आ रहे है।

### फिल्म शशांक में बॉलीवुड में नयी प्रतिभाओं के साथ होने वाले पक्षपात की बात करती हैं: सनोज मिश्रा

**लखनऊ, संवाददाता।** पिछले साल दिवंगत अभिनेता स्वर्गीय सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु के बाद से फिल्म जगत लगातार चर्चा में रहा है तथा उनकी मृत्यु के बाद इस विषय पर अनेक फिल्मों के निर्माण की भी घोषणा हुई जिसमें स्थानीय लेखक एवं निर्देशक सनोज मिश्रा तथा निर्माता मारुत सिंह और अभिनेता रवि सुधा चौधरी ने फिल्म शशांक का निर्माण कार्य पूरा भी कर लिया है फिल्म का पोस्टर रिलीज होते ही फिल्म चर्चा में आ गई क्योंकि स्वर्गीय सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने फिल्म के बहिष्कार के लिए ट्वीट किया जबकि निर्माता-निर्देशक हमेशा ही इस बात का खंडन करते रहे हैं कि फिल्म सुशांत के जीवन पर आधारित नहीं है जबकि यह फिल्म फिल्म उद्योग में पनप रहे भाई भतीजावाद और नव युवकों के संघर्ष पर आधारित है अब जब यह फिल्म प्रदर्शन के लिए तैयार हुई है।

## लखनऊ के संजय श्रीवास्तव हिन्दू व्यापारी सभा के बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

**लखनऊ , संवाददाता।** अखिल भारत हिन्दू महासभा ने लखनऊ के व्यापारी नेता संजय श्रीवास्तव को हिन्दू व्यापारी सभा का राश्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी त्रिदंडीजी महाराज के निर्देष पर कार्यकारी अध्यक्ष रवीन्द्र द्विवेदी ने की है। इस आशय की जानकारी आज हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भास्कर मिश्र ने दी। देश के हिन्दू व्यापारियों के आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक हित में पुनर्गठित हिन्दू व्यापारी सभा के राश्ट्रीय अध्यक्ष की मिली जिम्मेदारी पर संजय श्रीवास्तव ने हर्ष प्रकट करते हुए हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी त्रिदंडी जी महाराज, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी, राष्ट्रीय महामंत्री आचार्य विजय प्रकाश मानव, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री अधिवक्ता संजया शर्मा और उत्तर प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी सहित सम्पूर्ण राष्ट्रीय कार्यकारिणी का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें जो उत्तरदायित्व सौंपा गया है, उसका निर्वहन वो पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे। इसी के साथ ही संजय श्रीवास्तव ने हिन्दू व्यापारी सभा की 40 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन और प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति कर सूची राष्ट्रीय कार्यकारिणी को सौंपने की घोषणा की। उन्होंने देश के हिन्दू व्यापारियों से भारी संख्या में हिन्दू महासभा से जुड़ने का आह्वान करते हुए उनसे हिन्दू राजनीति और हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा को सशक्त बनाने का आह्वान किया। हिन्दू महासभा राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं अयोध्या के क्रांतिकारी संत स्वामी करपात्री जी महाराज ने संजय श्रीवास्तव को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए भगवान श्रीराम से उनकी सफलता की मंगल कामना की।

# पश्चिमी विधान सभा सीट पर प्रबल दावेदार नीरज सिंह, राजीव मिश्रा व शिव सांवरिया

**लखनऊ, संवाददाता।** पश्चिम विधान सभा क्षेत्र क्रमांक-171 के लोकप्रिय विधायक सुरेश कुमार श्रीवास्तव की असामयिक मृत्यु से खाली सीट पर भाजपा मंत्रिमंडल में भले ही मंथन चल रहा हो। परंतु नजदीक आ रहे विधान सभा चुनावों में इस महत्वपूर्ण सीट परर जनता में रायशुमारी होने लगी है। पश्चिमी विधान सभा क्षेत्र के अर्न्तगत आने वाले इलाकों तालकटोरा, राजाजीपुरम्, सहादतगत, कैम्पबेल रोड, हैदरगंज जैसे इलाकों में जनता की राय में यह सीट जायेगी तो भाजपा के पक्ष में ही। क्योंकि विपक्ष में कोई जिताऊ चेहरा नजर नहीं आ रहा है। भाजपा के विधायक रहते हुये स्व0 सुरेश कुमार श्रीवास्तव ने एक लोकप्रिय विधायक के रूप में अपने क्षेत्र के लिये जो कार्य किये उससे भाजपा की छवि जनता में बढ़ी है। उनके बाद रिक्त सीट पर पार्टी किसको टिकट देती है यह तो बाद की बात है। जनता की नजरों में कुछ उम्मीदवार है जो इस महत्वपूर्ण सीट के प्रबल दावेदारों में उभर कर सामने आ रहे है। पश्चिमी विधान सभा क्षेत्र में करीब एक सौ लोगों से पूछे गये सवाल पर और जनता की पसंद के अनुसार तीन नाम उल्लेखनीय है। राजाजीपुरम् क्षेत्र की पॉच पार्षदों के बीच सभासद शिवपाल सांवरियां अपनी सर्वसुलभता और हंसमुख व्यक्तित्व के कारण सबसे अधिक लोकप्रिय है। उनके कार्य करने की शैली और उनकी युवा टीम उनको इस विधानसभा सीट से उम्मीदवारी की संभावना को प्रबल बनाती है। मुदुभाषी और सौम्य व्यवहार के धनी भाजपा के वरिष्ठ नेता और ममता चैरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी राजीव मिश्रा पिछले दो सालों से आम जनता में काफी लोकप्रिय है। पिछले और इस साल कोरोना काल में ट्रस्ट के माध्यम से किये जा रहे सामाजिक कार्यो के चलते व्यक्तिगत रूप में उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी है। आज ममता चैरिटेबल ट्रस्ट और राजीव मिश्रा के नाम को पश्चिमी विधान सभा क्षेत्र में ही नहीं बल्कि पूरे लखनऊ में किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनकी और उनके ट्रस्ट के सेवाभाव की सराहना कर रहे है। क्षेत्र की जनता की राय में अभी तो राजीव मिश्रा अपने पास से ट्रस्ट के माध्यम से जनता की सेवा कर रहे है यदि ये विधायक बन जाते है तो क्षेत्र का पूरा विकास होगा इससे जनता को और फायदा होगा। विनम्र स्वभाव के धनी युवा नेता युवाओं में खासे लोकप्रिय है। युवा वर्ग उनको अपने नेता के रूप में देखना चाहता है। देश के यशश्वी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र नीरज सिंह पिछले काफी समय से लोगों के बीच रहकर उनकी तमाम समस्याओं का समाधान एक अनुभवी राजनीतिज्ञ की तरह कर रहे है। दूसरे अन्य नेताओं के बीच वे लोकप्रिय है। पारिवारिक राजनीति के अनुभवों का लाभ उनको मिल सकता है।

# अवैध शराब कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध की जायेगी कड़ी कार्रवाई

## मिथाइल एल्कोहल के दुरूपयोग को नियंत्रित करने के लिए कड़े प्राविधान लागू

**लखनऊ, संवाददाता।** मिथाइल अल्कोहल विष अधिनियम के तहत जहर घोषित है, जिसके दृष्टिगत मिथाइल अल्कोहल के कब्जे और बिक्री के लिए लाइसेंस और परमिट जारी करने का प्रावधान किया गया है और इसके लिए जिलाधिकारी को लाइसेंस प्राधिकारी के रूप में अधिकृत किया गया है। नियमों के तहत मजिस्ट्रेट के अलावा, पुलिस अधिकारी, राजस्व अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी और आबकारी तथा उद्योग के अधिकारी जो निरीक्षक के पद से नीचे नहीं हैं, को इन लाइसेंसों के निरीक्षण करने का अधिकार दिया गया है। प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर पर जिला मजिस्ट्रेट,लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा नामित अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय नोडल समिति का गठन किया जायेगा जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक सदस्य के रूप में तथा जिला आबकारी अधिकारी सदस्य,संयोजक के रूप में होंगे। इस सम्बंध में विस्तृत जानकारी देते हुए अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर0 भूसरेड्डी ने बताया है कि मिथाइल अल्कोहल के प्रयोग पर कड़ी निगरानी रखने के आदेश जारी किए गए हैं। यदि मिथाइल अल्कोहल के उत्पादन के लिए लाइसेंस प्राप्त इकाइयों के अलावा कोई अन्य इकाई इस कारोबार में संलिप्त पाया जाता है तो ऐसी इकाई के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मिथाइल अल्कोहल के उत्पादन, भंडारण और बिक्री की गहन निगरानी की जाएगी और मिथाइल अल्कोहल के टैंक और कंटेनरों पर स्पष्ट रूप से मिथाइल अल्कोहल अंकित किया जाएगा। मिथाइल अल्कोहल का परिवहन करने वाले टैंकरों पर मोटे तथा सफेद अक्षरों में विषैला पदार्थ परिवहन किये जाने सम्बन्धी सूचना और कानूनी चेतावनी तथा दोनों तरफ उसके विष होने सम्बन्धी चिन्ह अंकित किया जाना अनिवार्य किया गया है। टैंकर से मिथाइल अल्कोहल की चोरी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए टैंकरों को ठीक से सील किया जाएगा और इसकी पुष्टि के बाद ही टैंकर भेजा जाएगा। अपर मुख्य सचिव द्वारा यह भी बताया गया कि मिथाइल अल्कोहल के अवैध व्यापार में संलिप्त पाये जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। मिथाइल अल्कोहल से बनी अवैध शराब के सेवन से मौत होने पर और बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद होने की स्थिति में स्थानीय आबकारी व पुलिस अधिकारियों व कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। अवैध शराब की गतिविधियों में शामिल पाए जाने वालों के खिलाफगैंगस्टर एक्ट और एनएसए लगाया जाएगा और उनकी संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई की जाए। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत पुलिस एवं राजस्व विभाग के प्रत्येक अधिकारी इस अधिनियम के किसी भी प्रावधान के उल्लंघन की जानकारी प्राप्त होने पर आबकारी विभाग को तत्काल देने के लिए बाध्य हैं और आबकारी विभाग को कार्यवाही में सहयोग प्रदान करेंगे। आबकारी विभाग के अधिकारी भी आबकारी अपराधों का पता लगाने और अभियोजन की कार्यवाही में पुलिस अधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे। इसके अतिरिक्त प्रत्येक व्यक्ति जो किसी भूमि या भवन का स्वामी है या ऐसे स्वामी का प्रबंधक है, जहॉ पर किसी नशीले पदार्थ का अवैध निर्माण होता है और लेखपाल या चौकीदार जिसके अधिकार क्षेत्र में ऐसी भूमि या भवन स्थित है, मजिस्ट्रेट या आबकारी, पुलिस या राजस्व विभाग के किसी अधिकारी को तुरंत सूचना देने के लिए बाध्य है। आबकारी अधिनियम की संशोधित धारा 60क की व्याख्या करते हुए अपर मुख्य सचिव ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति नशे की आड़ में कोई हानिकारक पदार्थ बेचता है और इससे मृत्यु या गंभीर अपंगता होती है।

### डाबर ने वाटिका जर्म प्रोटेक्शन शैम्पू लांच किया

**लखनऊ, संवाददाता।** विज्ञान आधारित आयुर्वेद कम्पनी डाबर इण्डिया लिमिटेड ने आज भारतीय बाजार में अपना नया 'वाटिका जर्म प्रोटेक्शन शैम्पू' को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस नये शैम्पू के साथ डाबर ने अपने वाटिका पोर्टफोलियो में शामिल उत्पादों की रेंज को बढ़ाया है। ये नया शैम्पू कीटाणुओं और कोरोना वायरस से बचाने में मदद करता है। नए 'वाटिका जर्म प्रोटेक्शन शैम्पू' को लॉन्च करने की घोषणा करते हुये गौरव पाराशर, मार्केटिंग हेड- हेयर केयर, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा कि हमें वाटिका ब्रांड में एक नया सदस्य जोड़कर काफी अधिक खुशी हो रही है। नया 'वाटिका जर्म प्रोटेक्शन शैम्पू' बाजार में अपनी तरह का पहला शैम्पू है जो प्राकृतिक तत्वों के गुणों और लाभों के साथ बालों को सुरक्षा प्रदान करता है। इसके साथ ही ये उपयोगकर्ता को कीटाणुओं और कोरोनावायरस से बचाने में भी मदद करता है। वाटिका ब्रांड को अपने कुदरती तत्वों के साथ स्वास्थ्य लाभ वाले उत्पाद प्रदान करने के लिए जाना जाता है।

## नशे में धुत होकर घर आए बेटे ने मां के साथ किया रेप, पड़ोसियों को देखकर भागा

गोरखपुर/गोरखपुर में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला एक घटनाक्रम सामने आया है। यहां एक गांव में नशे में धुत एक बेटे ने अपनी सगी मां के साथ रेप कर दिया। मां की जमकर पिटाई भी की। बचाओ-बचाओ की आवाज सुनकर जुटे पड़ोसियों की आहट पर आरोपी भाग खड़ा हुआ। अपने ही बेटे की दुरिंदगी की शिकार इस 55 वर्षीय महिला के पति की 5 साल पहले मौत हो गई थी। पड़ोसियों ने महिला के छोटे बेटे को फोन कर घटना की जानकारी दी। छोटा बेटा घर पहुंचा तो मां को लेकर थाने पर गया। वहां मां की लिखित तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी बेटे की तलाश शुरू कर दी। मां के मुताबिक उसके 22 वर्षीय बड़े बेटे को नशे की आदत है। वह अक्सर नशा करके घर पहुंचता था। टोकने पर मां के साथ गाली-गलौच, मारपीट उसके लिए आम बात थी। इस बार भी वह शराब पीकर घर आया। घर पर मां को अकेले देखकर उसने गाली-गलौच करते हुए उसके साथ मारपीट की। यही नहीं शराब के नशे में धुत लड़का रिश्ते की मर्यादा को भूलकर मां के साथ जबरदस्ती करने लगा। उसने अपनी मां के साथ रेप कर दिया। महिला का शोर सुनकर अगल-बगल के लोग वहां पहुंच गए। तब तक आरोपी फरार हो गया। लोगों ने फोन कर महिला के छोटे बेटे को घटना की जानकारी दी। घर पहुंचा छोटा बेटा मां को लेकर थाने पहुंचा और अपने बड़े भाई के खिलाफ केस दर्ज कराया। घटना के बारे में सहजनवां थाने के प्रभारी निरीक्षक दिलीप पांडेय ने बताया कि महिला का मेडिकल कराया जा रहा है।

### 15 हजार के इनामी बदमाशों को पुलिस ने हरपुर चौराहे से दबोचा

गोरखपुर/सहजनवा थाना क्षेत्र के 15 हजार रुपये का इनामी बदमाश कृष्णा गिरी तथा संतोष यादव निवासी घघसरा को रविवार की शाम 7 बजे के आसपास पुलिस ने पकड़ लिया है। पुलिस की घेराबंदी के वक्त यह लोग पुलिस पर फायरिंग कर दिए, पुलिस की जवाबी कार्रवाई में संतोष यादव के पैर में गोली लग गई है।इलाज भी पुलिस की देख-रेख में चल रही है। उक्त संदर्भ में- प्रभारी निरीक्षक सहजनवां दिलीप कुमार पांडेय एवं चौकी प्रभारी घघसरा ने बताया कि- सभी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था, सभी फरार चल रहे थे। एसएसपी ने सभी पर 15 हजार का इनाम रखा था।

# लाखों खर्च के बाद बनी सड़क तीन माह में हुई क्षतिग्रस्त

**❑ बनने से पहले ही उजड़ रही सड़क ❑ बाल मजदूरों से करवाई जा रही मजदूरी**

**गोंडा।** कोई सड़क किसी भी गांव के विकास का मुख्य द्वार होती है।अगर सड़क अच्छी है तो विकास का रास्ता गांवों से होकर शहरों तक जाता है। लेकिन सरकार की विकासपरक योजनायें भ्रष्टाचार की भेंन्ट किस कदर चढ़ रही हैं इसका नजारा विकासखंड छपिया के ग्राम पंचायत घनश्यामपुर ग्रांट में स्पष्ट रूप से देखने को मिल सकता है।

यहां निर्माणाधीन कोहार पुरवा से लेकर ईदगाह तक बन रही सड़क भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनदेखी की भेंट चढ़ रही है।मानो ऐसा लग रहा है कि प्रदेश के मुखिया का गड्ढा मुक्त सड़क का सपना सिर्फ सपना ही रह जाएगा। बता दें, कोहार पुरवा से लेकर ईदगाह तक बन रही सड़क को जिम्मेदार ठेकेदारों द्वारा मानको को ताक पर रखकर निर्माण कराया जा रहा है।घटिया सामग्री के जरिए घटिया सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इतना ही नहीं सरकारी रजिस्टर पर जिम्मेदार अधिकारियों ने ऑल इज वेल का मुहर भी लगा दिया है।बताते चलें कि इस सड़क निर्माण में ठेकेदार, जिम्मेदार अधिकारी और प्रशासन सभी अपना-अपना पल्ला झाड़ रहे हैं।

**बाल मजदूरों से कराया जा रहा धड़ल्ले से कार्य**

इतना ही नहीं सड़क निर्माण में लगे श्रमिको में कई बाल मजदूर हैं जो एक तरह से अपराध है।इन बाल मजदूरों की उम्र 12 से 16 साल बताई जा रही है। बाल मजदूरों से सड़क निर्माण कार्य मे कराया जा रहा मजदूरी,जिम्मेदार मौन ठेकेदारों की इस मनमानी पर अफसर भी चुप्पी साधे हैं। इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिले में बालश्रम को लेकर अफसर कितने संजीदा हैं।पीडब्ल्यूडी की ओर से बनाई जा रही सड़क में ठेकेदार बालश्रम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए बाल मजदूरों से कड़ी मेहनत करा रहा है।किशोर रिक्शे पर गिट्टियां भरकर रिक्शे को खींचते नजर आ रहे हैं,हाड़तोड़ मेहनत का यह नजारा देखकर लोग आश्चर्य में है।

## ब्लाक प्रमुख उम्मीदवार राधारमण की बढ़ती सक्रियता देख क्षेत्र में बना चर्चा का विषय

महराजगंज नौतनवां विकास खण्ड के ब्लाक प्रमुख चुनाव को लेकर सरगर्मी व भागा दौड़ी काफी तेज हो गयी है नौतनवां विकास खण्ड में अभी दो ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी मैदान में हैं जिसमे पहले प्रत्याशी व पूर्व ब्लाक प्रमुख राधारमण चौधरी और दूसरे प्रत्याशी राकेश मद्देशिया बताये जा रहे हैं ब्लाक प्रमुख का चुनाव लड़ रहे पूर्व ब्लाक प्रमुख राधारमण चौधरी ने बताया कि जब मैं 2005 में ब्लाक प्रमुखी का चुनाव लड़ा और ईश्वर की कृपा से जीत भी हासिल किया इनका कहना है कि इस दौरान मैंने नौतनवां ब्लाक रतनपुर में बहुत से काम भी करवाये जैसे ब्लाक की बाउंड्री ब्लाक का सभागार ब्लाक का मेनगेट सैकड़ों शिलान्यास भी करवा चुके हैं आगे उन्होंने बताया कि उस समय जितने भी हमारे क्षेत्र पंचायत सदस्य रहे इनकी भी मान सम्मान में कही भी कमी नहीं होने दिया हर जरुरत और बुरे वक्त में भी मैंने अपने बीडीसी सदस्यों व क्षेत्र के लोगों के साथ सदैव कन्धे से कन्धा मिलाकर चलने का काम भी मैंने किया है मिली जानकारी के अनुसार पूर्व ब्लाक प्रमुख राधारमण का परिवार और इनके पूर्वज भी समाज सेवा करते चले आये हैं जब इस क्षेत्र में शिक्षा के लिए कोई इंटर कॉलेज नहीं था बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कोसों दूर जाना पड़ता था तब राधारमण चौधरी ने उन बच्चों की उज्जवल भविष्य के लिए बरगदवा बाजार में इंटर कॉलेज का निर्माण कराया ताकि हमारे क्षेत्र के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें इतना ही नहीं रोड से लेकर बरगदवा थाने के लिए भी अपनी भूमि देकर क्षेत्र के लोगों की मानसम्मान में कही भी कोई कमी नहीं आने दिया। वहीं क्षेत्र के लोगों का कहना कि राधारमण चौधरी ने बरगदवा बाजार के लिए काफी जमीन भी दिए हैं जिससे लोग आसानी से अपनी रोजी रोटी कमा सके और जीवन यापन कर सकें उन्होंने कहा कि इस बार भी मैं ब्लाक प्रमुख का चुनाव लड़ रहा हूँ अगर नौतनवां विकास खण्ड के लोगों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों का प्यार और स्नेह मिला तो इस बार भी मैं अपने क्षेत्र की मान सम्मान में कही भी कोई कमी नहीं आने दूँगा जनता का सेवक हूँ सेवा करना ही मेरा धर्म है।

## फूलशाह बाबा के मजार पर जायरीनों ने चढ़ाई चादर,मांगी मन्नते

**मनाया गया फूलशाह बाबा का सलाना उर्स**

**(जौनपुर)।** मुंगराबादशाहपुर के मोहल्ला साहबगंज ( सिनेमा गली) में स्थित हजरत सैय्यद फूलशाह बाबा का सालाना उर्स रविवार को अकीदत और एहतेराम के साथ मनाया गया। सुबह कुरआन ख्वानी से शुरू हुआ।देरशाम चादरपोशी के साथ खत्म हुआ।कोविड 19 को देखते हुए चार से पांच दिन भर में जायरीनों का बाबा के मजार पर आना जाना लगा रहा। एक चादर मोहल्ला सिपाह में स्थित हजरत सैय्यद मंसूर बाबा के मजार से बाबा के लोगों ने उक्त मजार पर पहुंचकर चादरपोशी कर मन्नतें मांगीं और फातेहा पढ़ा। शाम को मजारे पाक का गुलपोशी एवं चादर पोशी भी की गई। इस दौरान मोहम्मद इम्तियाज द्वारा चले गए लंगरेआम में लोग शामिल हुए। हजरत सैय्यद फूलशाह बाबा का सालाना उर्स हर वर्ष होता है। लेकिन कोरोनावायरस महामारी को देखते हुए इस वर्ष क़व्वाली का प्रोग्राम नहीं हुआ। जिसके चलते उर्स में अकीदतमंदों की भीड़ भी नहीं हुआ। उर्स में हिंदू और मुसलमानों के शिरकत करने से यह मुंगरा बादशाहपुर की गंगा जमुनी तहजीब का मरकज बना हुआ है। इस अवसर पर परवेज उर्फ लम्बू,मो. खालिद अंसारी, अफ़ाक खान, पप्पू शाह,चाँद टेलर, बबलू ठठेर, इम्तियाज टेलर ,नवरत्न कुमार, राजेश जायसवाल, मोहम्मद सुवैब व डॉ.एलियास आदि लोग मौजूद रहे।

## शादी के दो दिन पहले ही लड़की अपने शादीशुदा प्रेमी संघ फरार

**रतनपुर।** नौतनवां महराजगंज जनपद कुल्हुई थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव की रहने वाली लड़की अपनी शादी के ठीक दो दिन पहले प्रेमी संघ फरार हो जाने का मामला प्रकाश में आया है जहां क्षेत्र के लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है बतादें की कुल्हुई थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली लड़की का गांव के ही एक शादीशुदा लड़के के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था लेकिन लड़की के घर वालों को इस बात का पता नहीं था लड़की के घर वालों ने लड़की की शादी कर दिन भी तय कर दिए थे शादी की सारी तैयारिया भी पूरी हो चुकी थी लेकिन शादी के दो दिन पहले ही लड़की अपनी गांव के प्रेमी के साथ फरार हो गयी। इधर जहाँ लड़की की शादी तय हुआ था वहाँ पर भी तैयारिया पूरी हो चुकी थीं लेकिन जब इस बात का पता लड़के के घर वालों को लगा तो शादी करने से इनकार कर दिए उनका कहना है कि यदि वह लड़की घर आयेगी तो उसे पनाह नहीं दिया जायेगा वहीं प्रेमी युवक पहले से ही शादीशुदा था और उसकी पत्नी भी गर्भवती है।

## मनरेगा योजना के अंतर्गत शुरू हुआ टेढ़िया बंधे का मरम्मत कार्य

गोरखपुर/बड़हलगंज विकास खंड में बहने वाली सरयू नदी के किनारे पर अवस्थित गांवों की नदी से सुरक्षा के लिए वर्षों पूर्व बने टेढ़िया बंधे का सोमवार से युद्ध स्तर पर मरम्मत कार्य शुरू हो गया। मुजौना गांव से शुरू हुए बंधे के मरम्मत कार्य में करीब पांच सौ मजदूर लगे हुए हैं। ग्राम पंचायत मुजौना के प्रधान प्रतिनिधि प्रभुनाथ,ग्राम सचिव योगेन्द्र सरोज, टीए बृजेन्द्र दूबे, रोजगार सेवक संघ बड़हलगंज के संरक्षक बृजानंद मिश्र ने गांव के बंधे पर पहुंच कर मनरेगा मजदूरो से कार्य प्रारम्भ करवा दिया। बताते चलें कि सरयू नदी की भयंकर बाढ़ से नदी के उत्तरी तट पर बसे गांवों खडेसरी, कोंहड़ा भावर, रामगढ़,खजुरी गोसाई,मुजौना, छपिया उमराव,रामनगर आदि दर्जन भर गांवों की सुरक्षा हेतु वर्षों पूर्व टेढिया बांध का निर्माण हुआ था।इस बांध के बन जाने से इन गांवों के नागरिकों सहित हज़ारों एकड़ खेती योग्य भूमि भी सुरक्षित हो गयी परन्तु इस बांध के निर्माण के बाद कभी इसकी मरम्मत नहीं हो सकी।वर्तमान में यह बांध काफी जर्जर हो चुका है।रेन कट,रैट होल ने बांध को जर्जर किया ही,सरयू नदी में रेत का अवैध खनन कराने वाले बालू माफियाओं ने भी बांध की सूरत बिगाड़ने में कोई कसर न छोड़ी।स्थानीय नागरिकों की भारी मांग पर रविवार को टेढ़िया बंधे के निरीक्षण के दौरान सीडीओ गोरखपुर इन्द्रजीत सिंह ने खण्ड विकास अधिकारी बडहलगंज अनिल कुमार सिंह को मनरेगा सर इस बांध की मरम्मत कराने का निर्देश दिया था।

## 221 प्रत्याशी हुए निर्विरोध,52 प्रत्याशियों बीच होगा चुनाव,14 के पर्चे खारिज

दुबौलिया। ब्लाक मुख्यालय के सभागार मे सोमवार को ग्राम पंचायत सदस्यों के लिए पर्चा वापसी के के साथ ही चुनाव चिन्ह का आंवटन हुआ। आर ओ संजय शर्मा के बताया की ग्राम पंचायत सदस्य के लिए 291 प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिला किया था जिसमें 221 प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए वहीं 52 प्रत्याशियों बीच चुनाव होना है। 14 के पर्चे खारिज हुए हैं उसके बाद चुनाव चिन्ह का आवंटन किया गया।

## शपथ ग्रहण से पहले प्रधान बनीं मां की मौत,अब 20 साल की गांव की बेटी चलाएगी गांव की सरकार



गोरखपुर के चौरी चौरा क्षेत्र की बरईपार निवासी कंचन यादव को ग्रामीणों ने निर्विरोध अपना ग्राम प्रधान चुना है। बीते दिनों इस सीट से कंचन की मां गीता देवी प्रधानी की चुनाव जीता थी लेकिन शपथ ग्रहण करने से पहले ही उनकी कोरोना से मौत हो गई थी।

अवध नगरी ब्यूरो गोरखपुर/ जिले के चौरी चौरा के बरईपार के लोगों ने 20 साल की कंचन यादव को अपना ग्राम प्रधान चुनकर मिसाल पेश की है। दरअसल पंचायत चुनाव में प्रधान पद की विजयी महिला प्रत्याशी गीता देवी की मौत के बाद पद खाली था। ऐसे में जारी चुनावी प्रक्रिया में ग्रामीणों ने कंचन को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया है। इसकी जानकारी जिला पंचायत राज अधिकारी हिमांशु शेखर ठाकुर ने सोमवार को दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, तहसील क्षेत्र चौरी चौरा के बरईपार के अछैबर यादव की पत्नी गीता देवी प्रधान पद के लिए चुनाव मैदान में उतरी थी। चुनाव में प्रचार प्रसार के दौरान उनकी तबियत बिगड़ गई और देवरिया के एक निजी अस्पताल में उन्हें एडमिट कराया गया। यहां उनका इलाज चल रहा था कि शपथ ग्रहण करने के पूर्व उनकी मौत हो गई। इसके बाद खाली पद पर दोबारा चुनाव कराने की योजना चल रही थी। इस बीच ग्रामीणों ने आपसी सहमति से गीता देवी की 20 वर्षीय बेटी कंचन यादव को निर्विरोध अपना ग्राम प्रधान चुन लिया है। दरअसल बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा कंचन यादव की छह बहने और एक भाई है। बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है।

**गांव का विकास करना लक्ष्य**

कंचन यादव ने बताया कि ग्रामीणों की सहमति के बाद उन्होंने नामांकन पत्र दाखिल किया, जिसके बाद उन्हें निर्विरोध चुन लिया गया है। इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद गांव की सभी बुनियादी सुविधाओं सड़क, बिजली, पानी, वृद्धावस्था पेंशन और लड़कियों के विकास के लिए काम करेंगी।

### 101 लोगों ने लगवाया कोरोना वैक्सीन

**गोण्डा।** कोरोना संक्रमण को खत्म करने के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान के तहत सोमवार को जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनजोत के द्वारा ग्रामसभा कमालपुर में 101 लोगों को कोविड वैक्सीन लगाया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ.तरुण मौर्या ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 18 से 44 वर्ष की आयु वाले लोगों को टीका लगाया जा रहा है।स्थानीय लोगों की मांग पर स्वास्थ्य विभाग टीम ने एक दिवसीय टीकाकरण कैंप का आयोजन किया। कैम्प में, हरूनीलम,हरूपूनम, प्रधानाध्यापिका रुखसाना, आंगनबाड़ी रम्भा सिंह,आशाबहू गीताकुमारी मौजूद रही। वहाँ पर मौजूद सभी लोगों का कहना है कि कोरोना से बचने के लिए वैक्सीन सबसे कारगर है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है। गांव में घर-घर जाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर वैक्सीनेशन व सैंपलिंग के लिए जागरूक किया जा रहा है।

# गोरखपुर जिले के गुलरिहा थाना क्षेत्र में 2 लाख की लूट करने वाले अपराधियों से पुलिस की मुठभेड़

**■ गुलरिहा क्षेत्र में एक हफ्ते पहले जनसेवा केंद्र में हुई थी 2 लाख की लूट, पुलिस व बदमाशों की हुई मुठभेड़, दो बदमाशों को लगी गोली**

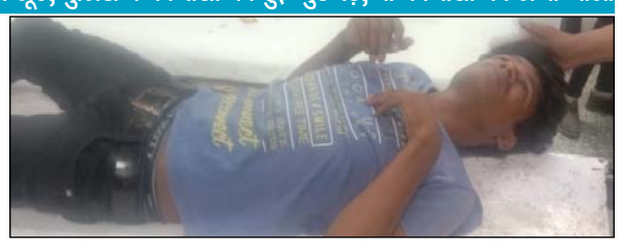





**गोरखपुर।** गुलरिहा थाना क्षेत्र के भटहट चौकी अंतर्गत पिछले हफ्ते जन सेवा केंद्र पर दो लाख लूट करने वाले शातिर अपराधियों से देर रात पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम से मुठभेड़ हो गई। बताया जा रहा है कि देर रात गुलरिहा इलाके के भटहट में पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। इलाज के लिए उन्हें मेडिकल कॉलेज भेजा गया। बदमाशों के पास से पुलिस ने अवैध असलहा, कारतूस, खोखा और बाइक भी बरामद की है। जिले में एनकाउंटर की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार अवस्थी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि दोनों बदमाशों की पहचान सहजनवा इलाके के घघसरा निवासी संतोष यादव व चिलुआताल के रामपुर चोक निवासी गौरव यादव के रुप में हुई। पुलिस एनकाउंटर में घायल दोनों बदमाश शातिर लूटेरे बताए जा रहे हैं। दोनों बदमाशों ने बीते दिनों भटहट इलाके में जनसेवा केंद्र में घुसकर दो लाख रुपए की लूट की थी। और वारदात को अंजाम देते सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुए थे जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ था। तभी से पुलिस व क्राइम ब्रांच को इनकी तलाश थी। रविवार की देर रात पुलिस को सूचना मिली कि दोनों गुलरिहा के भटहट होते हुए कहीं भागने की फिराक में हैं।इस सूचना पर पुलिस व क्राइम ब्रांच टीम ने बदमाशों की घेराबंदी शुरू की। दोनों बदमाश एक बाइक पर सवार होकर आ रहे थे। पुलिस टीम को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। खुद को बचाते हुए पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। दोनों बदमाश गोली लगने से वहीं गिर गए। पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। घायल बदमाशों को इलाज के लिए पुलिस ने मेडिकल कॉलेज भेजा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पी ने बताया कि दोनों बदमाश शातिर लूटेरे हैं। दोनों ने बीते दिनों भटहट इलाके के जनसेवा केंद्र में लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस से हुई मुठभेड़ में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। जिन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

### किसानों की शिकायत पर उपजिलाधिकारी चौरी चौरा ने किया ब्रह्मपुर गेहूं क्रय केंद्र का निरीक्षण



गोरखपुर/चौरी चौरा एसडीएम अनुपम मिश्रा के साथ तहसीलदार वीरेंद्र कुमार गुप्ता, नायब तहसीलदार अलका सिंह के साथ नई बाजार स्थित ब्रह्मपुर गेंहू क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान क्रय केंद्र प्रभारी मौके पर नहीं मिले। गेंहू खरीद का स्टॉक रजिस्टर भी अपडेट नहीं किया गया था। मौके पर कुछ किसानों ने उप जिलाधिकारी से लापरवाही की शिकायत दर्ज कराया। किसानों का आरोप था कि क्रय केंद्र द्वारा नहीं खरीदा जा रहा है। उन्हें दौड़ाया जा रहा है। इन सभी शिकायतों की जांच करने के बाद एसडीएम ने बताया कि क्रय केंद्र में कई खामियां मिली है। हल्का लेखपाल को खरीद का सत्यापन कराने का निर्देश दिया है।

## ग्राम प्रधान महराजगंज अरविंद सिंह की उपस्थिति में शुरू हुआ टीकाकरण

**प्रत्येक व्यक्ति को टीका लगे इसकी व्यवस्था की है योगी सरकार ने**

गोरखपुर/पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड चरगावां के अंतर्गत महाराजगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मानीराम पर ग्राम प्रधान एवं पिपराइच विधायक प्रतिनिधि-अरविंद सिंह की उपस्थिति में एनम कृति गुप्ता, सुमन गुप्ता एवं सीमा गुप्ता व आशा बहू भावना सहानी एवं संगीता सिंह ने पूर्व प्रस्तावित टीकाकरण कार्यक्रम में कोविड-19 से बचाव हेतु टीकाकरण कराया गया द्य अस्पताल की जर्जर व्यवस्था, स्वास्थ्य कर्मियों एवं मरीजों के लिए न बैठने की व्यवस्था न स्वास्थ्य के लिए अनुकूल माहौल और ना ही अस्पताल के अंदर झाड़ू एवं साफ सफाई हुआ था। जिसको संज्ञान में लेते हुए नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान अरविंद सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक चरगावां से दूरसंचार के माध्यम से वार्ता करके स्वास्थ्य केंद्र के सफाई कर्मचारि एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के बारे में जानकारी प्राप्त की तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी चरगावां ने बताया की हम उसकी ड्यूटी चरगावां में लगाएं है। जबकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महाराजगंज में स्वास्थ्य सफाई कर्मी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नितांत आवश्यकता है जिससे कि अस्पताल में साफ सफाई की व्यवस्था हो तो अधीक्षक ने कहा कि कल से कर्मचारी को वहां भेजा जाएगा। टीकाकरण कार्यक्रम में,.. प्रेमानंद सिंह ,केदार सिंह, रवि तिवारी, शिव शरण तिवारी रामनरेश निषाद सहित कई लोग उपस्थित थे।

## आर्केस्ट्रा पार्टी के नाबालिग लड़कियों से अश्लील नृत्य उनके शोषण तथा उत्पीड़न पर लगें रोके:अखिल कुमार, (एडीजी)

**➡ बैंड तथा आर्केस्ट्रा ग्रुप निर्धारित समयावधि में मानक के अनुरूप वाद्ययंत्र बजाये**

**गोरखपुर।** गोरखपुर जोन में बैंड पार्टी, आर्केस्ट्रा पार्टी आदि द्वारा बालिग एवं नाबालिग लड़कियों से कराए जा रहे अश्लील नृत्य उनके शोषण तथा उत्पीड़न की रोकथाम के संबंध में एडीजी जोन अखिल कुमार ने जोन के सभी जनपदों के पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। की जोन के विभिन्न जनपदों में अवैध रूप से आर्केस्ट्रा संचालन ,सार्वजनिक स्थान पर अश्लील नृत्य किये जाने व बैंड पार्टी द्वारा बालिग एवं नाबालिग लड़कियों के खरीद - फरोख्त व पैसे का लालच देकर शारीरिक व मानसिक शोषण की शिकायतों के मद्देनजर ये निर्देश जारी किए हैं। विगत दिनों जनपद महाराजगंज में इस प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर जनपद की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की गई। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 के अंतर्गत मानव का अवैध व्यापार प्रतिबंधित है इसकी रोकथाम हेतु बनाए गए प्रावधानों का मुख्य उद्देश्य वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए व्यक्तियों का लैंगिक शोषण या दुरुपयोग रोकना है। महिलाओं के अनैतिक यातायात और यौन शोषण को बढ़ावा देने में सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित होने वाले अश्लील नृत्य भी एक



प्रमुख कारण हैं। सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित होने वाले अश्लील नृत्यों को कराए जाने हेतु महिलाओं की खरीद - फरोख्त करके या पैसे अथवा अच्छी सम्मानजनक जीवन शैली का लालच देकर महिलाओं को एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में ले जाकर अनैतिक देह व्यापार में फंसा दिया जाता है, साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित होने वाले अश्लील नृत्य में असामाजिक तत्वों की उपस्थिति हो जाती है, जिसमें महिला संबंधी अपराध कारित किए जाने की आशंका बढ़ जाती है। विगत दिनों जनपद गोरखपुर के थाना कैंपियरगंज क्षेत्र में नर्तकी के साथ नृत्य करते -करते वहां मौजूद अंसामाजिक तत्वों द्वारा आपस में ही मार - पीट कर ली गई। इस प्रकार की सभी घटनाओं का तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रभावी विधिक कार्रवाई किए जाने हेतु सभी जनपदों को निर्देशित किया गया है। बैंड तथा आर्केस्ट्रा ग्रुप द्वारा निर्धारित समयावधि में तथा मानक के अनुरूप वाद्ययंत्र नहीं बजाये जाने की शिकायतों पर तथा साथ में कोरोना संक्रमण के मद्देनजर महामारी अधिनियम की समुचित धाराओं में भी वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त सभी जनपदों में बैंड बाजा पार्टी संचालकों व आर्केस्ट्रा संचालकों का सत्यापन कराए जाने साथ ही साथ उनके बैंड पार्टी आर्केस्ट्रा में काम करने वाली महिलाओं / लड़कियों को सूचीबद्ध कर इनके अनुचित क्रियाकलापों पर प्रभावी रूप से विधिक कार्यवाही किए जाने तथा उनके रजिस्ट्रेशन पत्रों की भी चेकिंग किए जाने हेतु निर्देश दिए गए हैं परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक पुलिस उपमहानिरीक्षक को उपरोक्त निर्देशों का प्रभावी कार्य योजना बनाकर अनुपालन कराए जाने हेतु निर्देशित किया है।

## हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

**थाना खोड़ारे क्षेत्र के अन्तर्गत हुए हत्याकाण्ड का खुलासा, 2 आरोपी को किया गया गिरफ्तार**

**गोण्डा।** बुधवार की रात दावत खाने गये थाना खोड़ारे क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम अहिरौली निवासी मोहम्मद हद्दीस की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी थी। जिसके सम्बन्ध में मृतक की पत्नी सलीमुन्निशा द्वारा शक के आधार पर थाना खोड़ारे में 3 व्यक्तियों के तहरीर दी थी। रोहित पुत्र बुधई, बाबूलाल पुत्र बुधई निवासी सीतारामपुर ग्रन्ट लोनियनडीह थाना खोड़ारे जनपद गोण्डा, मदनलाल उर्फ मादे पुत्र सकदू निवासी फरेन्दा बुजुर्ग थाना खोड़ारे जनपद गोण्डा के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत कराया गया था। इस सनसनीखेज घटना को संज्ञान में लेते हुए पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने प्रभारी निरीक्षक खोड़ारे को घटना का सफल अनावरण कर दोषी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने के कड़े निर्देश दिए थे। तथा स्वाट सर्विलांस टीम को भी घटना के खुलासे के लिए लगाया गया था। एसपी के दिए गए निर्देशों के क्रम में व अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक खोड़ारे द्वारा हत्याकाण्ड का सफल अनावरण करते हुए विवेचना के दौरान प्रकाश में आये 2 आरोपी मोहित चौहान उर्फ महेन्द्र कुमार चौहान, सुनील कुमार यादव पुत्र रामचन्दर को गिरफ्तार किया है। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी मोहित चौहान ने बताया कि मृतक हद्दीस ने उसके बाबा से पूर्व में सम्पत्ति का बैनामा करा लिया था मोहित के पिता को भी मृतक व उसके परिजनो ने वर्ष 2015 में काफी मारा-पीटा था। जिसमें मोहित के पिता को काफी चोट आयी थी। सम्पत्ति बैनामा कराने व मारपीट की रंजिश के कारण ही मोहित ने अपने साथी के साथ मिलकर मृतक हद्दीस की हत्या की है। आरोपी मोहित चौहान की निशानदेही पर हत्या मे प्रयुक्त आलाकत्ल ( नाजायज चाकू ) भी बरामद कर लिया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया।

## विश्वविद्यालय के छात्र नेताओं ने अपर आयुक्त व नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

गोरखपुर/गोरखपुर विश्वविद्यालय के छात्र नेता मनीष ओझा के नेतृत्व मे मण्डलायुक्त कार्यालय पर डेढ़ दर्जन छात्र-छात्राओं द्वारा लगभग 2 घण्टे तक धरना प्रदर्शन किया गया तदोपरान्त मण्डलायुक्त गोरखपुर मण्डल गोरखपुर की अनुपस्थिति में सिटी मजिस्ट्रेट अभिनव रंजन श्रीवास्तव के माध्यम से 4 सुत्रीय मांग पत्र मा0 राज्यपाल उ0प्र0 को सौपा। मनीष ओझा ने कहा कि इस निकम्मी बहरी छात्र विरोधी सरकार के खिलाफ हम सभी को आज मजबूरन सड़को पर उतरना पड़ा हमने 3 जुन 2021 को 4 सुत्रीय ज्ञापन प्रधानमंत्री केन्द्रीय मंत्री मानव संसाधन मुख्यमंत्री उ0प्र0 कौ सौपा था और यह चेतावनी भी दी थी कि यदि रविवार तक कोई भी फैसला हमारे पक्ष में नही आता है तो हम सभी सोमवार को सड़क पर प्रदर्शन करने का बाध्य होगे लेकिन सरकार के कान पर जू तक नही रेगी। हमारी सरकार से मॉग है कि स्नातक प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष एवं परास्नातक प्रथम वर्ष के



छात्र/छात्राओं को अगली कक्षा में प्रोन्नत करने व अंतिम वर्ष की परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्न पर आधारित न कराते हुए पहले की भॉति कराए जाने कोरोना महामारी की वजह से परीक्षा के दौरान यदि किसी छात्र-छात्रा की मृत्यु होती है तो उसके परिजन को 10 लाख रूपए मुआवजा दिया जाए, छात्र-छात्राओं को कोरोना टीकाकरण में वरियता दी जाए यदि हमारी मांग पर विचार नही किया गया तो हम सभी छात्रहित मे अनिश्चित कालीन धरना देने को बाध्य होगे।छात्रनेता नारायण दत्त पाठक ने कहा कि हमारी 4 सुत्रीय मॉग पत्र को सोशल मीडिया पर भी बहुत समर्थन मिला जिसमे अब तक 23 हजार लोगो ने हमारी 4 सुत्रीय मॉग का समर्थन किया मै सरकार को बता देना चाहता हूॅ यदि एक हफ्ते के अंदर हमारी 4 सुत्रीय मॉग पर विचार नहीं किया गया तो ये सरकार के ताबुत की अंतिम कील साबित होगी हम सभी 2022 विधान सभा चुनाव मे अपना बदला अपने मत से देगें। छात्रनेता प्रतिक त्रिपाठी ने कहा कि मै सरकार से पुछना चाहता हूॅ क्या हाईस्कूल, इण्टर के छात्र/छात्राओं को ही कोरोना का डर है हम सभी कोरोना प्रुफ है क्या जिस तरह से इण्टर तक के छात्रो को प्रोन्नत किया गया है उसी तरह स्नातक/परास्नातक के छात्र-छात्राओं को भी प्रोन्नत किया जाए।धरना प्रदर्शन/ज्ञापन सौपने वालो में- नारायण दत्त पाठक प्रतिक त्रिपाठी दीपक वर्मा अभिनय मिश्रा सत्यम गोस्वामी सातविक पति त्रिपाठी सैफ जैनब आलम आदि छात्र-छात्राये मौजूद रहे।

# सोशल मीडिया के ज्ञान से उपजीं चिंताएं

आप गौर करें, तो पायेंगे कि रोजाना आपके पास सोशल मीडिया के ऐसे संदेश आते होंगे, जिनमें कोरोना से लेकर अनेक विषयों के बारे में ज्ञान दिया जाता होगा. शायद आपने भी एक ऑडियो सुना होगा, जिसमें बताया जाता है कि दूरसंचार विभाग का एक कथित वरिष्ठ अधिकारी अपने एक रिश्तेदार को बताता है कि कोरोना की दूसरी लहर 5 जी नेटवर्क ट्रायल का नतीजा है तथा यह गुप्त बातचीत है, जिसे किसी तरह रिकॉर्ड कर आपके हित में सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाया जा रहा है. इस कथित लीक ऑडियो में अधिकारी यह कह रहा होता है कि जब तक ट्रायल चलेगा, तब तक कोरोना के मामले आयेंगे और ज्यों-ज्यों ट्रायल खत्म होगा, मामले भी समाप्त होते जायेंगे. वह यह भी बताता है कि पश्चिमी देशों में भी 5जी के कारण ही कोरोना की लहर आयी थी. इस नेटवर्क को लेकर ऐसी अफवाहें केवल अपने देश में ही नहीं, विदेशों में भी खूब चली थीं. भारत में मोबाइल व इंटरनेट नेटवर्क 4जी तक पहुंचा है और 5जी नेटवर्क की प्रक्रिया शुरू हुई है, लेकिन कई देशों, जैसे- अमेरिका, यूरोप, चीन और दक्षिण कोरिया में यह पहले से ही चल रहा है. इसे क्रांतिकारी तकनीक माना जा रहा है. अभी हम मोबाइल और इंटरनेट के लिए 3जी से लेकर 4जी नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं. अंतर इतना है कि 5जी तकनीक पुराने मोबाइल नेटवर्क से ज्यादा फ्रीक्वेंसी वाले तरंगों का इस्तेमाल करती है. इससे ज्यादा संख्या में मोबाइल पर एक साथ इंटरनेट सुविधा उपलब्ध हो सकती है. साथ ही, इंटरनेट की स्पीड भी तेज हो जाती है, लेकिन इसको लेकर सवाल भी उठे हैं कि 5जी तरंगों से कहीं कैंसर की आशंका तो नहीं है? वैज्ञानिक आधार पर ये आशंकाएं बेबुनियाद साबित हुई हैं. साल 2014 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि आज तक मोबाइल फोन के इस्तेमाल से स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल असर नहीं दिखा है. अभी इस बारे में पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं कि मोबाइल फोन से उत्पन्न तरंगों से कैंसर की कोई आशंका है. पिछले साल ब्रिटेन में भी यह फेक न्यूज व्यापक रूप से फैली थी कि कोरोना वायरस 5जी टावर के कारण तेजी से फैल रहा है. इसका असर यह हुआ कि लोगों ने कई मोबाइल टावर्स में आग लगा दी थी.

भारत में भी ऐसी अफवाहों के बाद सरकार को स्पष्ट करना पड़ा था कि यह सब बेबुनियाद है. लेकिन जब फेक न्यूज के आधार पर कोई सेलिब्रिटी अदालत में मुकदमा कर दे, तो चिंता बढ़ जाती है. हाल में फिल्म अभिनेत्री जूही चावला ने दिल्ली हाइकोर्ट में 5जी नेटवर्क के खिलाफ जनहित याचिका दायर की थी. हाइकोर्ट ने न सिर्फ याचिका को खारिज कर दिया, बल्कि यह भी कहा है कि याचिकाकर्ताओं ने न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है और उन पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया. हाइकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि ऐसा लगता है कि जैसे यह याचिका प्रचार पाने के मकसद से दायर की गयी है. दरअसल, जूही चावला ने सुनवाई की ऑनलाइन लिंक को सोशल मीडिया पर तीन बार शेयर किया, जिससे अदालत की कार्यवाही में बाधा पड़ी. इस लिंक की मदद से तो एक सज्जन कार्यवाही के दौरान जूही चावला की फिल्म का गाना सुनाने लगे. जूही चावला के साथ दो अन्य याचिकाकर्ताओं वीरेश मलिक और टीना वाच्छानी ने अपनी याचिका में कहा था कि अदालत सरकारी एजेंसियों को आदेश दें कि वे जांच कर पता लगाएं कि 5जी तकनीक स्वास्थ्य के लिए कितनी सुरक्षित है? इस याचिका में 30 से अधिक सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं व संगठनों को वादी बनाते हुए अदालत से अनुरोध किया गया था कि 5जी को उस वक्त तक रोक दिया जाए, जब तक सरकार पुष्टि न कर ले कि इस तकनीक से कोई खतरा नहीं है. हाइकोर्ट ने सरकार को प्रतिवेदन दिये बिना 5जी वायरलेस नेटवर्क तकनीक को सीधे अदालत में चुनौती देने पर भी सवाल उठाये. कोर्ट ने कहा कि वादी जूही चावला और दो अन्य लोगों को पहले अपनी चिंताओं को सरकार के समक्ष उठाने की आवश्यकता थी और यदि वहां से इनकार किया जाता, तब उन्हें अदालत में आना चाहिए था. आपने गौर किया होगा कि व्हाट्सएप ज्ञान कितना प्रभावशाली है कि इसने बड़ी संख्या में लोगों को कोरोना विशेषज्ञ बना दिया है. सोशल मीडिया पर ऐसी अनेक फेक खबरें चल रही हैं, जिनमें कोरोना के ठीक होने का दावा किया जाता है, जबकि इनसे अनेक मरीजों की जान संकट में पड़ जा रही है. डॉक्टरों का कहना है कि सुरक्षा की झूठी भावना स्वास्थ्य समस्याओं और अधिक जटिल बना देती है. हाल में आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के कृष्णपटनम गांव में कोरोना की 'चमत्कारी आई ड्राप' का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गांव में हजारों लोगों की भीड़ जुटने लगी. प्रशासन को लोगों को नियंत्रित करने की पुलिस की व्यवस्था करनी पड़ी. वायरल वीडियो में दावा किया गया था कि एक आयुर्वेदिक डॉक्टर द्वारा बनाये गये आई ड्रॉप से 10 मिनट में कोरोना संक्रमण में राहत मिलती है और ऑक्सीजन का स्तर सामान्य हो जाता है. एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें आई ड्राप लेने के 10 मिनट बाद एक रिटायर्ड हेड मास्टर के पूरी तरह ठीक होने का दावा किया गया था. मीडिया से जानकारी मिली कि कुछ ही दिन बाद उस शख्स की कोरोना से मौत हो गयी. लेकिन उसका वीडियो कहीं नहीं चला. कहीं शराब के काढ़े से कोरोना संक्रमितों की ठीक करने का दावा किया जा रहा है, तो किसी वीडियो में कहा जा रहा है कि गाय के गोबर और गोमूत्र का लेप पूरे शरीर पर लगाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है और कोरोना वायरस से बचाव होता है. सोशल मीडिया पर मैसेज वायरल होने के बाद गुजरात की गोशालाओं में लोगों की भीड़ लगने लगी. किसी मैसेज में कहा जा रहा है कि पडुचेरी के एक छात्र रामू ने कोविड-19 का घरेलू उपचार खोज लिया है जिसे डब्ल्यूएचओ ने भी स्वीकृति प्रदान कर दी है. उसने सिद्ध कर दिया कि काली मिर्च, शहद और अदरक का पांच दिनों तक सेवन किया जाए, तो कोरोना के प्रभाव को 100 फीसदी तक समाप्त किया जा सकता है, जबकि खुद विश्वविद्यालय को ऐसे रामू और उसकी किसी ऐसी खोज की जानकारी तक नहीं है. कहने का आशय यह है कि व्हाट्सएप के ज्ञान की एक बार जांच अवश्य कर लें, ताकि आप उसके आधार पर कोई गलत धारणा ना बना बैठें।

## संपादकीय

## नाओमी ओसाका और युवा पीढ़ी के सच

कोरोना काल में खेलप्रेमी हर एक लाइव इवेंट के लिए तरस गये हैं. विभिन्न खेलों के छोटे-बड़े मुकाबलों का स्थगित, रद्द या फिर बीच में ही रुक जाना लगातार जारी है. आयोजक, प्रायोजक और टीवी प्रसारक दबाव में हैं, लेकिन अगर दबाव का असर सबसे अहम किरदार खिलाड़ियों पर ही हावी हो जाए, तो इसका कैसा असर होगा, वह फ्रेंच ओपन 2021 की शुरुआत में ही साफ हो गया. मुद्दा एक बार फिर मानसिक स्वास्थ्य का है, लेकिन महामारी की चुनौतियों ने इस मुद्दे को एक नयी शक्ल दे दी है. करीब दस दिन पहले चार बार की ग्रैंड स्लैम चौंपियन नाओमी ओसाका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा था कि वे रोलैंड गरोंस (फ्रेंच ओपन) के दौरान एक भी प्रेस कांफ्रेंस में भाग नहीं लेंगी. उन्होंने कहा- मुझे अक्सर ऐसा लगा है कि लोगों को एथलीट के मानसिक स्वस्थ्य की कोई कद्र नहीं. प्रेस कांफ्रेंस में अक्सर वही सवाल बार-बार पूछे जाते हैं, वे सवाल, जो हमारे मन में खुद पर संदेह पैदा करते हैं. मैं ऐसे लोगों के सामने नहीं जाना चाहती.'इसके बाद उनका यह पोस्ट डिलीट हो जाता है, पर विवाद नहीं थमता. इसके तीन दिन बाद पहले दौर में अपना मैच जीतने के बाद ओसाका प्रेस कांफ्रेंस में नहीं आती हैं. आयोजक को लगता है कि इससे एक गलत परंपरा की शुरुआत हो सकती है, जिसका खेल, स्पॉन्सरशिप और आयोजन से जुड़े मामले पर दूरगामी परिणाम हो सकते हैं. फ्रेंच ओपन, विंबलडन, अमेरिकी ओपन और ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के चारो ग्रैंड स्लैम के आयोजक एक साझा प्रेस रिलीज जारी करते है- श्नाओमी ओसाका ने आज अपनी मीडिया को लेकर जिम्मेदारियों से संबंधित करार का पालन नहीं किया. आयोजन के रेफरी ने नियमानुसार उन पर 15 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया है. टेनिस टूर और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों का मानसिक स्वास्थ्य हमारे लिए एक अहम प्राथमिकता है.श् उनके अनुसार, जुर्माना लगाना सभी खिलाड़ियों के साथ समान व्यवहार की भावनाओं की कद्र के लिए जरूरी था. इसके बाद नाओमी ओसाका ने टूर्नामेंट में आगे हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया. उन्होंने ये साफ किया कि टूर्नामेंट, खिलाड़ियों और उनके अपने स्वास्थ्य के लिए यह बेहतर होगा.ओसाका ने कहा कि वे लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य से जूझती रही हैं. वे एक सहज वक्ता नहीं हैं. उन्हें हर बार प्रेस के सामने आने से पहले चिंता और बेचैनी होती है. उन्होंने कहा कि मीडिया और प्रेस से जुड़े नियम अब पुराने हो चुके हैं. उन पर नये सिरे से गौर किया जाना चाहिए. इस घटना के बाद मशहूर अभिनेत्री जमीला जमील ने फ्रेंच ओपन के बहिष्कार का एलान कर दिया. उन्होंने कहा कि अपना मानसिक स्वास्थ्य जाहिर करने के लिए किसी को ऐसे कैसे प्रताड़ित किया जा सकता है. सेरेना विलियम्स और मार्टिना नवरातिलोवा से लेकर बिली जीन किंग जैसे दिग्गजों ने मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे पर खुल कर सामने आने के लिए नाओमी ओसाका की सराहना की. फ्रेंच ओपन के बाकी मैच बदस्तूर जारी हैं, लेकिन इस मामले से कई तल्ख सवाल भी खड़े हुए हैं. पहला, मानसिक स्वास्थ्य एक ऐसा मुद्दा है, जिसका आज युवा पीढ़ी पर सबसे अधिक असर देखा जा रहा है. पेशेवर खिलाड़ी से लेकर हॉलीवुड-बॉलीवुड के बड़े नाम इस समस्या का सामना कर रहे हैं. सचिन तेंदुलकर से लेकर विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों ने हाल में अपनी समस्याओं का जिक्र किया है. दूसरा, यह सच है कि आज बड़ी इनामी राशि देना तभी संभव होता है, जब आयोजक बड़ा पैसा लेकर आते हैं. ऐसे में मीडिया और विज्ञापन से जुड़े करार अहम हैं, लेकिन अगर खिलाड़ी मानसिक तौर पर स्वस्थ नहीं होगा, तो क्या इसका उसके खेल पर असर नहीं पड़ेगा. सो, मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य की तरह अहम मान कर संतुलन बनाने की जरूरत है. तीसरा, कई खिलाड़ियों का मानना रहा है कि उनका मुख्य हुनर खेलना है, वक्ता बनना नहीं तथा उन्हें इस कसौटी पर तौला जाना चाहिए, लेकिन, मौजूदा दौर में खिलाड़ी खेल के अलावा विज्ञापन, सार्वजनिक समारोह में उपस्थिति से लेकर संन्यास के बाद कमेंटरी से पैसा कमाते हैं. इन सब विधाओं मे सफलता के लिए खेल में हुनर के अलावा बाकी व्यक्तित्व में निखार जरूरी है. खेल से जुड़े संगठनों को खिलाड़ियों को इन विधाओं का प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए, जिससे उनका मनोबल और भरोसा बना रहे. चौथा, खेल संगठनों और आयोजकों को खिलाड़ियों के मूल स्वभाव और मौजूदा समस्याओं का सम्मान करना चाहिए. टीम गेम में किसी खिलाड़ी के बुरे दिन में दूसरा खिलाड़ी प्रेस के सामने आ सकता है, लेकिन व्यक्तिगत खेलो में यह संभव नहीं होता है. ऐसे में क्या नये प्रयोग नहीं किये जा सकते?अगर कोई खिलाड़ी मानसिक तौर पर खुद को अस्वस्थ समझे या असहज महसूस करे, तो क्या उन्हें अपने प्रतिनिधि को प्रेस के सामने भेजने की आजादी देनी चाहिए. आयोजकों को संवेदनशील रहने की जरूरत है. फ्रेंच ओपन के आयोजक संवेदनशीलता दिखा कर उदाहरण प्रस्तुत कर सकते थे, लेकिन उन्हें खतरा यह लगा कि कोरोना काल का यह अपवाद भविष्य में नया नॉर्मल न बन जाए. वैसे मानसिक समस्या से जुड़े सच का सामना उन्हें और दूसरे खेलों को एक दिन करना ही होगा. खेलों से आगे यह आज की युवा पीढ़ी से जुड़ी सबसे बड़ी चुनौती है.

# ये मेहनतकश अपने कामों का जब पूरा मुआवजा मांगेंगे...

सरकार और राजनीति के बारे में तो सबको पता है। मगर कोरोना की इस दूसरी लहर और लॉकडाउन में जिस वर्ग ने सबसे ज्यादा खतरे उठाए और अपनी जान की भी परवाह नहीं की वह कौन है? इस बार का लॉकडाउन पिछले साल के मुकाबले ज्यादा डरावना और सन्नाटे वाला था। लोगों ने खिड़कियां और बालकनी के दरवाजे भी बंद कर लिए थे। सुबह बालकनी में निकलना ऐसा लगता था जैसे आप कोई गलत काम कर रहे हैं। सोसायटी में पास दूर जहां तक नज़र जाती थी बालकनियां सूनी दिखती थीं। कहीं दूर किसी बालकनी में कोई शख्स नजर आता था तो उसे हाथ हिलाकर हलो करने का मन चाहता था। उस अनजान आदमी की भी एक नजर इधर आती थी, जैसे वह भी कह रहा हो बालकनी में थोड़ी देर आने में कोई खतरा नहीं है।ऐसे में जब ऊपर से नीचे की तरफ देखते तो सफाई वाले, इक्का-दुक्का आती घरेलू काम वाली मेड, गाड़ी साफ करने वाले और साइकल पर अखबार लादे लड़के पर निगाह जम जाती। लगता कि जिन्दगी है। वे सब अपने नियम से आ रहे थे। एक दूसरे से सलाम, नमस्कार भी कर रहे थे। ऊपर शायद जानबूझ कर देखना बंद कर दिया था कि लोग निगाहें हटा लेते हैं। काम पूरा और कुछ ज्यादा ही चाहते हैं, मगर निगाहें मिलाकर उनकी परेशानियों को पढ़ने और सुनने से बचना चाहते हैं। इस पूरे डेढ़ दो महीने के दौरान जिन्दगी है, उसके खुशनुमा रंग बचे हुए हैं, अगर आप आवाज लगाओ तो और कोई आए न आए, मगर सामान्य काम कर रहे लोगों में से कोई दौड़ कर आएगा, यह भरोसा और मजबूत हुआ। सोसायटी का जो पार्क बच्चों और दूसरे लोगों की चहल-पहल से सुबह-शाम, रात तक भरा रहता था। वहां माली के अलावा कोई नहीं दिखता था। इस सबसे कठिन दौर में मेहनतकश ही था जिसने लगातार अपना काम किया। खतरे उठाकर, जान का जोखिम लेकर। जिसको सुविधा थी वह मिडिल क्लास जरा भी घर से बाहर नहीं निकला। उसकी सारी जरूरतें घर बैठे पूरी होती रहीं। मगर रोज खाने-कमाने वालों को घर से निकलना ही था। डिलिवरी मेन, सिक्योरटी गार्ड, ड्राइवर, सब्जी वाले, कहीं-कहीं छुपकर चला रहे रिक्शे वाले, आटो वाले जैसों का आवागमन ही इस दौरान बताता रहा कि दुनिया अभी कायम है। चल रही है। इस मेहनतकश वर्ग की विशालता और हिम्मत देखकर लोगों को करोना होने पर न मिलने वाले इलाज की तकलीफें और शमशान तक न मिल पाने के दुखों से थोड़ा ध्यान हटा। मगर खतरा उठाकर अपनी जान पर खेलकर फर्ज अदा करने वाले इन लोगों को क्या मिला?

ऊपर जिस सरकार और राजनीति की बात की है और निराशा से की है वह इसीलिए की है कि जनता पर पड़े सबसे बड़े संकट के समय वह किसी भी कसौटी पर खरी नहीं उतरी। आम आदमी जहां अपनी सामर्थ्य से ज्यादा लोगों की मदद करते दिखा वहीं सरकार ने क्या किया? केन्द्र सरकार और दूसरी राज्य सरकारों के पास दावे करने के लिए बहुत कुछ है मगर हम यहां सिर्फ इस दौरान सबसे ज्यादा काम करने वालों और उनके लिए सरकार ने क्या किया इस पर ही बात करेंगे। यहां एक बात और स्पष्ट करना जरूरी है कि काम पुलिस ने, डाक्टर और पैरा मेडिकल स्टाफ ने बिजली और पानी पहुंचाने वालों ने भी बहुत किया। मगर ये सरकारी सेवाएं थीं और इसके लिए उन्हें जिन प्राइवेट मेहनतकशों की बात की है उनसे काफी ज्यादा तनखा, सुविधाएं और जाब सिक्योरटी मिलती हैं। काम इनका भी कम नहीं है, मगर यहां बात सरकार या एम्पलायर द्वारा, खासतौर पर सरकार द्वारा दी जा रही रिटर्न सुविधाओं की है। उदाहरण के तौर पर सफाई वाले। समाज के सबसे निचले पायदान पर रखे जाने वाले। लेकिन काम के मामले में सबसे ऊपर वाले। कोरोना के समय चाहे पिछले साल की बात हो या इस साल का अभी का मुश्किल समय। अगर यह सुबह मुंह अंधेरे सफाई करने नहीं निकलते तो सोचिए कि कोरोना के समय क्या हाल होता? मगर इन्हें क्या मिला। कोरोना से कितने लोग मरे इसका सही आंकड़ा भी उपलब्ध नहीं है। सड़क पर गलियों में हर जगह यह थे। सबसे अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले। फ्रंट लाइन फाइटर। इन्हें अतिरिक्त कुछ देने का तो सवाल ही नहीं कोरोना के समय ही दिल्ली में इनकी तनखाएं बंद हो गईं। भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम में वैसे तो पिछले कई सालों से यह हाल चल रहा है, मगर कोरोना के समय काम करने वाले सफाईकर्मी की तनखा न मिलने से ज्यादा बुरी बात कोई दूसरी नहीं हो सकती। अगर देश की राजधानी दिल्ली में बार-बार सफाईकर्मियों की तनखाएं बंद हो सकती हैं तो सोचिए देश की दूसरी जगहों में क्या हाल होगा? यह तो हुई नगर निगम की बात। अब दिल्ली सरकार की बात। केजरीवाल सरकार ने कोरोना से मरने वाले सफाईकर्मियों के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी। लेकिन बड़ी रकम होने के कारण इसमें घोटाले के भी बहुत पेंच जुड़ गए। एक तरफ कई सफाई कर्मचारियों के परिवार वाले मुआवजे के लिए भटक रहे हैं, दूसरी तरफ ये खबरें हैं कि गलत लोग इसका फायदा उठा रहे हैं। बड़े मुआवजों पर पहले भी यह कहा गया है कि ये सही आदमी को मिलना चाहिए और कितना नगद और कितना इस तरह की मृतक के आश्रितों को खासतौर पर नाबालिगों को उसका स्थायी लाभ मिल सके देखा जाना चाहिए। केन्द्र सरकार को तो करना ही चाहिए मगर दिल्ली की राज्य सरकार इसलिए महत्वपूर्ण है कि इस छोटे से राज्य का बजट बहुत है। एक बार जब केन्द्र, राज्य, नगर निगम सब जगह कांग्रेस की सरकार थी, तब दिल्ली नगर निगम जो तब टुकड़ों में नहीं बंटी थी एक ही थी के बजट का मोटा खाका सामान्य औपचारिकता के लिए दिल्ली के कांग्रेस इंचार्ज महासचिव अशोक गहलोत के पास आया। उन्होंने बजट की राशि देखकर आश्चर्य से कहा कि इतना बजट तो मेरे पूरे राजस्थान का नहीं होता है। दिल्ली में पैसों की कभी कोई कमी नहीं रही। मगर उसका उपयोग कैसे करना है और किस वर्ग को प्राथमिकता देना है यह महत्वपूर्ण है। दिल्ली में जो फ्लाई ओवर बने वह कार वालों के लिए थे। किसी में नीचे से ऊपर जाने के लिए सीढ़ियां नहीं थीं। पैदल वालों का इससे कोई फायदा नहीं हुआ। मेट्रो ने बहुत सुविधा दी। मगर पिछले छह सालों में जब से तीन बार किराए बढ़े स्टूडेंट, छोटी नौकरी करने वाले और सामान्य लोगों ने मेट्रो में चलना छोड़ दिया। बस का किराया आज भी पांच रुपए है और मेट्रो के किराए दो गुने से ज्यादा हो गए।

# कोविड काल में छोटे उद्योगों का कठिन सफर

वैश्विक सलाहकारी कम्पनी मैकेंजी ने अक्टूबर 2020 के एक अध्ययन में कहा था कि यूरोप के छोटे उद्योगों का स्वयं का अनुमान है कि आधे आने वाले 12 माह में बंद हो जायेंगे। भारत की परिस्थिति ज्यादा दुष्कर है क्योंकि हमारे छोटे उद्योगों ने लॉकडाउन के साथ-साथ नोटबंदी और जीएसटी की मार भी खाई है। ई-कॉमर्स और बड़ी कंपनियों ने छोटे उद्योगों के बाजार पर कब्जा कर लिया है। अतरू प्रश्न उठता है कि छोटे उद्योगों को जीवित रखा ही क्यों जाए? उन्हें मर क्यों न जाने दिया जाए? यदि बड़े उद्योग माल को कम कीमत में उत्पादन कर सकते हैं तो उसे छोटे उद्योगों से उत्पादन करने से लाभ क्या है?

विषय यह है कि छोटे उद्योग यद्यपि माल महंगा बनाते हैं परन्तु वे हमारे भविष्य के उद्यमियों के इनक्यूबेटर अथवा लेबोरेटरी भी हैं। आज का छोटा उद्यमी कल बड़ा हो सकता है। धीरुभाई अम्बानी किसी समय छोटे उद्यमी थे। यदि उनके छोटे उद्योग को पनपने का अवसर नहीं मिलता तो वे कभी बड़े भी नहीं होते। साथ ही ये भारी संख्या में रोजगार सृजित करते हैं। रोजगार उत्पन्न होने से जनता की सृजनात्मक क्षमता उत्पादक कार्यों समाहित हो जाती है। यदि हमारे युवाओं को रोजगार नहीं मिला तो वे अंततरू अपराधिक गतिविधियों में लिप्त होंगे जो हो भी रहा है। औरंगाबाद महाराष्ट्र के विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की मानें तो उनके एम.ए. पढ़े छात्र भी अब एटीएम तोड़ने जैसे कार्यों में लिप्त हो गये हैं चूंकि वे बेरोजगार हैं। बड़ी संख्या में लोगों के अपराध में लिप्त होने से सुरक्षा का खर्च बढ़ता है, देश पर पुलिस का खर्च बढ़ता है, नागरिकों में असुरक्षा की भावना विकसित होती है और सामाजिक और पारिवारिक ढांचा विघटित होता है। देश में असुरक्षित वातावरण के कारण विदेशी कम्पनियां भी निवेश करने से कतराती हैं। इसलिए यदि हम छोटे उद्योगों से बने माल के ऊंचे दाम को सहन करें तो इस भार के बावजूद आर्थिक विकास हासिल होता है चूंकि अपराध कम होते हैं और सामाजिक वातावरण आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और निवेश के अनुकूल स्थापित हो जाता है। इसके विपरीत यदि हम बड़े उद्योगों से उत्पादन कराएं और तो बेरोजगारी और अपराध दोनों बढ़ते हैं। यद्यपि बाजार में सस्ता माल उपलब्ध होता है परन्तु अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ती है क्योंकि अपराध बढ़ते हैं। इसके अतिरिक्त, बेरोजगारों को न्यूनतम सुरक्षा देने को मनरेगा जैसे कार्यक्रमों पर सरकार को खर्च भी अधिक करना पड़ता है। मेरा आकलन है कि मनरेगा पर खर्च की गई रकम मूल रूप से उनुत्पादक कार्यों में लगती है। वही रकम यदि छोटे उद्योगों को समर्थन देने में लगाई जाए तो उत्पादन बढ़ेगा। अतएव केवल बड़े उद्योगों के सहारे आर्थिक विकास की नीति विफल होने की संभावना ज्यादा है। पिछले 6 वर्षों में हमारी आर्थिक विकास दर गिरने का यह एक बड़ा कारण दीखता है। छोटे उद्योगों को जीवित रखने के लिए हमें पहला कार्य यह करना होगा कि उनकी उत्पादन लागत कम आए। इसके लिए ऋण देने के अतिरिक्त ठोस कदम उठाने होंगे। यूरोपीय यूनियन की छोटे उद्योगों की गाइड बुक में सुझाव दिया गया है कि छोटे उद्योगों को ट्रेनिंग, रिसर्च एवं सूचना उपलब्ध करने के लिए उनके गुट अथवा क्लस्टर बनाने चाहिए और इन क्लस्टरों का संचालन छोटे उद्योगों के अपने संगठनों के हाथ में दे देना चाहिए। जैसे वाराणसी में यदि बुनकरों को समर्थन देना है तो वाराणसी के बुनकरों के संगठन के माध्यम से उन्हें ट्रेनिंग, रिसर्च और सूचना उपलब्ध कराई जाए। उनके संगठन को सही ज्ञान होता है कि किस प्रकार की तकनीक की जरूरत है और किस प्रकार की ट्रेनिंग कामयाब होगी। यदि यही कार्य किसी एनजीओ अथवा किसी सरकारी तंत्र के माध्यम से कराया जाता है तो उन्हें जमीनी स्थिति का ज्ञान नहीं होता है और उनके द्वारा चलाए गये कार्यक्रम वैसे होते हैं जैसे तेल पर पानी के रंग बिखरते हैं। तमाम एनजीओ इसी योजनाओं में अपनी रोटी सेंक रहे हैं। चिकने पन्नों पर रपटें लिखी जाती हैं लेकिन छोटे उद्योग मरते ही जाते हैं। इस दिशा में भारत सरकार की नीति विपरीत दिशा में दिख रही है। छोटे उद्योगों के परिसंघ के सचिव अनिल भारद्वाज के अनुसार, सरकार द्वारा छोटे उद्योगों की समस्याओं के निवारण के लिए जो बोर्ड बनाये गये हैं उसमें पूर्व में छोटे उद्योगों के संगठनों के प्रतिनिधियों को पर्याप्त स्थान दिया जाता था। बीते दिनों में सरकार ने इन बोर्ड में केवल अधिकारी और नेताओं की नियुक्ति की है और छोटे उद्योगों के संगठनों की सदस्यता पूर्णतया समाप्त कर दी है। यानी जिसके हित के लिए ये बोर्ड बनाये गये हैं वे ही इन बोर्डों में अनुपस्थित हैं। इस नीति को बदलना चाहिए। दूसरा काम सरकार को छोटे उद्योगों को इस कठिन समय में वित्तीय सहायता देने पर विचार करना चाहिए। भारत सरकार की नेशनल इंस्टीट्यूट आफपब्लिक फाइनेंस एंड पालिसी के अप्रैल 2020 के एक अध्ययन में बताया गया है कि ब्राजील, कनाडा और न्यूजीलैंड में छोटे उद्योगों द्वारा अपने श्रमिकों को दिए जाने वाले वेतन का एक अंश कुछ समय के लिए सब्सिडी के रूप में दिया गया है जिससे कि छोटे उद्योग भी जीवित रहें और और उनमें कार्यरत श्रमिक भी अपना जीवन निर्वाह कर सकें। यहां भी भारत सरकार की नीति के विपरीत दिशा में है। सरकार ने छोटे उद्योगों को सरल ऋण उपलब्ध करने पर जोर दिया है जो कि सामान्य परिस्थितियों में सही बैठता है। लेकिन जिस समय छोटे उद्योगों द्वारा बनाया गया माल बाजार में बिक ही नहीं रहा है उस समय उनके द्वारा ऋण लेकर कठिन समय पार करने के बाद उनके ऊपर ऋण का अतिरिक्त बोझ आ पड़ेगा और वे ऋण के बोझ से उबर ही नहीं पायेंगे। यूं ही मरने के स्थान पर वे ऋण के बोझ से दब कर मरेंगे। इसलिए ऋण पर सब्सिडी देने के स्थान पर उसी रकम को सीधे नगद सब्सिडी के रूप में देना चाहिए। छोटे उद्योगों द्वारा अकसर आयातित कच्चे माल का उपयोग करके माल तैयार किया जाता है और फिर उसको बाजार में बेचा जाता है अथवा निर्यात किया जाता है। इनमें से एक कच्चा माल प्लास्टिक है। सरकार ने प्लास्टिक पर आयात कर बढ़ा दिए हैं जिसके कारण कच्ची प्लास्टिक का दाम अपने देश में बढ़ गया है और विशेषज्ञों के अनुसार प्लास्टिक का माल बनाने वाले छोटे उद्योग बंदप्राय हो गए हैं। यही परिस्थिति अन्य कच्चे माल की हो सकती है। ऐसे कच्चे माल पर आयात कर घटना चाहिए। सरकार को अपनी नीतियों का पुनरावलोकन करके छोटे उद्योगों को राहत पंहुचाना चाहिए अन्यथा न तो भविष्य में धीरुभाई जैसे उद्यमी बनेंगे न ही आर्थिक विकास हासिल होगा।

# अभ्यास की कमी तो कोहली को भी खलेगी: दिलीप वेंगसरकर

## कोहली और रोहित विश्वस्तरीय खिलाड़ी है और उन्हें अपने प्रदर्शन और भारत की जीत पर गर्व होता होगा



**मुंबई।** विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से पहले मैच अभ्यास की कमी विराट कोहली के लिए बड़ी चिंता की बात नहीं है, लेकिन पूर्व दिग्गज खिलाड़ी दिलीप वेंगसरकर का मानना है कि इससे भारतीय कप्तान को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

न्यूजीलैंड की टीम डब्ल्यूटीसी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट शृंखला खेल रही है। भारत के लिए 116 टेस्ट खेलने वाले वेंगसरकर ने कहा कि कोहली और रोहित बहुत अच्छी लय में हैं लेकिन प्रतिस्पर्धी मैचों की कमी के कारण दौरे की शुरुआत में डब्ल्यूटीसी फाइनल में उनका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है।

चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष वेंगसरकर ने कहा, 'वह (कोहली) लंबे समय से टीम के साथ हैं और मौजूदा दौर में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। कोहली और रोहित विश्वस्तरीय खिलाड़ी है और उन्हें अपने प्रदर्शन

**"कोहली और रोहित शानदार लय में है। मुझे लगता है कि मैच अयास की कमी उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती हैं। कम से कम दौरे के शुरुआती टेस्ट में ऐसा हो सकता है"**

**-दिलीप वेंगसरकर**
**पूर्व कप्तान**

और भारत की जीत पर गर्व होता होगा।

मैं मानता हूं कि भारतीय टीम को इस टेस्ट से पहले दो-तीन मैच खेलने चाहिए थे ताकि परिस्थितियों के मुताबिक खुद को ढाल सकें। उन्होंने कहा, 'बल्लेबाजों के साथ-

**भारत के लिए 116 टेस्ट खेलने वाले वेंगसरकर ने कहा कि कोहली और रोहित बहुत अच्छी लय में हैं लेकिन प्रतिस्पर्धी मैचों की कमी के कारण दौरे की शुरुआत में डब्ल्यूटीसी फाइनल में उनका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है**

साथ गेंदबाजों के लिए भी मैच खेलने और मैदान में समय बिताने की सलाह दी जाती है। आप भले ही नेट अभ्यास करते हो और मैच की परिस्थितियों के बारे में जानते हो लेकिन मैदान पर मैच खेल कर समय बिताने से हमेशा फायदा होता है, अब चाहे यह अभ्यास मैच ही क्यों ना हो।

वेंगसरकर का मानना है कि न्यूजीलैंड की टीम फायदे में होगी क्योंकि वह पहले से ही वहां खेल रही है। उन्होंने कहा, 'भारत एक बेहतर टीम है और शानदार लय में है। न्यूजीलैंड के साथ फायदे की बात यह है कि उनकी टीम ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहती है और इस मुकाबले से पहले उन्हें दो टेस्ट मैच खेलने को मिल रहे हैं जिससे वे परिस्थितियों से सामंजस्य बैठा सकेंगे।

## वसीम जाफर ने इंग्लैंड को लताड़ा, कहा- टेस्ट क्रिकेट के लिए ये अच्छी बात नहीं

**नई दिल्ली।** भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर ने इंग्लैंड की टीम की आलोचना की है, क्योंकि मेजबान टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले को जीतने के लिए कोई इरादा जाहिर नहीं किया। वसीम जाफर इस बात से भी दुखी है, क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की टीम अपने घरेलू मैदान पर खेल रही थी और रन प्रति ओवर भी ज्यादा नहीं था, बावजूद इसके मेजबान टीम ड्रॉ के लिए खेली।

दरअसल, लॉर्ड्स टेस्ट मैच का तीसरा दिन बारिश में धुल गया था और मैच के आखिरी दिन ऐसा प्रतीत हुआ कि मैच किसी न किसी नतीजे पर पहुंच सकता है, लेकिन दिन के आखिरी में नतीजा ड्रॉ के रूप में निकला। अगर इंग्लैंड की टीम अपने इरादे जीत के लिए दिखाती तो शायद परिणाम संभव भी हो पाता, क्योंकि टीम को 75 ओवरों में जीत के लिए 273 रन का लक्ष्य मिला था, जिसको हासिल करना टीम ने जरूरी नहीं समझा।

उधर, पूर्व भारतीय ओपनर वसीम जाफर ने ट्वीट करते हुए इंग्लैंड को लताड़ लगाई और लिखा,यदि आप घर पर 3.6 प्रति ओवर के लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश भी नहीं करेंगे, जिसमें कोई डब्ल्यूटीसी अंक दांव पर नहीं है, तो आप कब कोशिश करेंगे? टेस्ट क्रिकेट के लिए ये अच्छा रवैया नहीं है।

न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी को 52.3 ओवर में 169/6 पर घोषित कर दिया था। वहीं, 103 रन की बढ़त कीवी टीम को पहली पारी के आधार पर मिली थी। इस तरह मेजबान टीम को 273 रन जीत के लिए बनाने थे, लेकिन जो रूट की कप्तानी वाली टीम शुरुआत से ही मुकाबला ड्रॉ कराने के लिए खेली और 70 ओवर खेलने के बाद 170 रन ही 3 विकेट खोकर बना सकी।

# डोम सिबली ने खेली अच्छी पारी, इंग्लैंड-न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ



**नई दिल्ली।** सलामी बल्लेबाज डोम सिबली के अर्धशतक और कप्तान जो रूट के साथ उनकी अर्धशतकीय साझेदारी से इंग्लैंड की टीम रविवार को यहां पांचवें और अंतिम दिन न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट ड्रॉ कराने में सफल रही।

सिबली (207 गेंद में नाबाद 60, तीन चौके) और रूट (40) ने तीसरे विकेट के लिए 80 रन जोड़कर इंग्लैंड की पारी को संभाला। रूट को नील वैगनर ने पगबाधा आउट किया। सिबली ने इसके बाद ओली पोप (नाबाद 20) के साथ चौथे विकेट के लिए 34 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इंग्लैंड का स्कोर जब तीन विकेट पर 170 रन था तब दोनों कप्तान मैच ड्रॉ कराने को राजी हो गए।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने जब दूसरी पारी में छह विकेट 169 रन बनाए थे जब बारिश के कारण लंच का ब्रेक समय से पहले लेना पड़ा और न्यूजीलैंड ने इसी स्कोर पर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी।

इंग्लैंड की ओर से पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज ओली रोबिनसन दूसरी पारी में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 26 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

न्यूजीलैंड ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 62 रन से की। रोबिनसन ने दिन के तीसरे ओवर में ही रात्रि प्रहरी नील वैगनर (10) को विकेटकीपर जेम्स ब्रेसी के हाथों कैच करा दिया।

सलामी बल्लेबाज टॉम लैथम भी कल के स्कोर में छह रन और जोड़ने के बाद स्टुअर्ट ब्रॉड की गेंद पर पगबाधा हो गए। उन्होंने 36 रन बनाए।

अनुभवी रोस टेलर 35 गेंद में दो छक्कों और एक चौके से 33 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के बाद मार्क वुड की गेंद पर ब्रेसी को कैच दे बैठे। कप्तान जो रूट ने इसके बाद अपनी फिरकी से हेनरी निकोल्स (23) को रोरी बर्न्स के हाथों कैच कराके पवेलियन भेजा जिससे न्यूजीलैड का स्कोर छह विकेट पर 159 रन हो गया।

## आइसीसी टी-20 के प्लान बी पर काम शुरू

**नई दिल्ली।** बीसीसीआइ ने भले ही आधिकारिक तौर पर आइसीसी से ये ना कहा हो कि हम संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में विश्व कप कराएंगे, लेकिन वहां पर टी-20 विश्व कराने को लेकर रविवार को आइसीसी के अधिकारियों और बीसीसीआइ के पदाधिकारियों के बीच बैठक हुई। दैनिक जागरण ने पांच जून को प्रकाशित अंक में ही बता दिया था कि टी-20 विश्व कप आयोजन अब भारत में नहीं, बल्कि यूएई में ही होगा। अब इसके आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। बीसीसीआइ के एक पदाधिकारी ने बताया कि बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार धूमल और आइसीसी के शीर्ष अधिकारियों ने रविवार को दुबई में बैठक की। बीसीसीआइ सचिव जय शाह शनिवार को ही भारत लौट आए थे, इसलिए वह इस बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये शामिल हुए। अब टी-20 विश्व कप यूएई में कराने के लिए आपस में यह तय किया जा रहा है कि राजस्व को किस तरह से बांटा जाएगा।

# सचिन तेंदुलकर के खिलाफ गेंदबाजी करना चाहते हैं करामाती खान



**नई दिल्ली।** पूर्व भारतीय बल्लेबाज और क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर वर्तमान पीढ़ी के कई क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा स्रोत रहे हैं। जिन लोगों को तेंदुलकर के साथ मैदान साझा करने का मौका मिला, वे अक्सर खुद को सौभाग्यशाली कहते हैं। और जिन क्रिकेटरों ने वह मौका गंवा दिया, वे अभी भी उस अवसर को पाना चाहते हैं। वर्तमान में कई बल्लेबाज उनके साथ खेलना चाहते हैं, जबकि गेंदबाज उनके खिलाफ गेंदबाजी करना चाहते हैं। इस लिस्ट में अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान का नाम भी जुड़ गए है, जिनका सपना एक दिन मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के सामने गेंदबाजी करने का है।

अफगानिस्तान के दमदार स्पिनर ने हाल ही में यूट्यूब पर क्रिकविक के साथ बातचीत में अपनी इस इच्छा के बारे में बात की। राशिद खान को बताया गया कि सचिन ने अपने वनडे करियर के अंतिम 13 वर्षों के दौरान सिर्फ एक बार लेग स्पिनर के हाथों अपना विकेट गंवाया है तो इस पर उन्होंने कहा, ÷इसलिए मैं उनके खिलाफ गेंदबाजी करना चाहता हूं, क्योंकि वह लेग स्पिन के खिलाफ मुश्किल से ही आउट होते थे। उन्हें आउट करने से ज्यादा सचिन तेंदुलकर जैसे किसी के सामने गेंदबाजी करना बहुत खुशी की बात होगी। उन्हें आउट करना या नॉट आउट करना अलग बात है, बस उनके खिलाफ गेंदबाजी करना किसी सपने के सच होने जैसा होगा। लेग स्पिनर ने कहा कि उनके पास पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक को कुछ गेंद फेंकने का मौका था और कहा कि महान बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना एक %बहुत बड़ा क्षण है। इस बात को लेकर उन्होंने कहा, निश्चित रूप से, एक स्पिनर के रूप में, आपको इस बात का अंदाजा होता है कि आपको किसी विशेष बल्लेबाज को किस तरह की गेंद डालने की जरूरत है, क्योंकि हर कोई गेंद को उसी तरह नहीं खेलता है।

# शेयर बाजार: 52 हजार के पार खुला सेंसेक्स

## निफ्टी 37.90 अंक (0.24 फीसदी) की बढ़त के साथ 15708.20 के स्तर पर खुला

**नई दिल्ली।** आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 85.53 अंकों (0.16 फीसदी) की तेजी के साथ 52185.58 के स्तर पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37.90 अंक (0.24 फीसदी) की बढ़त के साथ 15708.20 के स्तर पर खुला। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 677.17 अंक या 1.31 फीसदी के लाभ में रहा। कोविड-19 संक्रमण के रुख, टीकाकरण की रफ्तार और वैश्विक कारक इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताते हुए कहा कि इसके अलावा घरेलू मोर्चे पर ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं है, जिससे बाजार दिशा ले सकें। साथ ही 11 जून को औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े आने हैं। संक्रमण के मामलों में कमी के मद्देनजर बाजार राज्यों द्वारा अंकुशों में और ढील की उम्मीद कर रहा है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा कच्चे तेल के दाम, रुपये का उतार-चढ़ाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश का रुख भी बाजार की दिशा तय करेगा। बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 में सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1,15,898.82 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा फायदे में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक के बाजार मूल्यांकन में इजाफा हुआ। वहीं दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। दिग्गज शेयरों की बात करें, तो आज शुरुआती कारोबार के दौरान पावर ग्रिड, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, ओएनजीसी, सन फार्मा, एल एंड टी, इंफोसिस, एचसीएल टेक, डॉक्टर रेड्डी, मारुति, रिलायंस, बजाज ऑटो, आईटीसी, एसबीआई, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर हरे निशान पर खुले। वहीं टीसीएस, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक और नेस्ले इंडिया के शेयर लाल निशान पर खुले। प्री ओपन के दौरान सुबह 9.02 बजे सेंसेक्स 88.37 अंक (0.17 फीसदी) ऊपर 52188.42 के स्तर पर था। वहीं निफ्टी 10.90 अंक (0.07 फीसदी) ऊपर 15681.20 पर था। पिछले कारोबारी दिन सेंसेक्स 5.01 अंकों (0.01 फीसदी) की तेजी के साथ 52237.44 के स्तर पर खुला था और निफ्टी 0.90 अंक (0.01 फीसदी) की बढ़त के साथ 15691.30 के स्तर पर खुला था। शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में लिए गए फैसलों का एलान किया था, जिसका असर घरेलू शेयर बाजार पर पड़ा और यह लाल निशान पर बंद हुआ था। सेंसेक्स 132.38 अंक (0.25 फीसदी) की गिरावट के साथ 52,100.05 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 20.10 अंक यानी 0.13 फीसदी गिरावट के साथ 15,670.25 के स्तर पर बंद हुआ था।

# सस्ता हुआ सोना वायदा, उच्चतम स्तर से सात हजार रुपये नीचे है कीमत



**नई दिल्ली।** आज घरेलू बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमत में गिरावट आई। एमसीएक्स पर सोना वायदा 0.08 फीसदी गिरकर 48,953 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। जबकि चांदी वायदा 0.3 फीसदी गिरकर 71,308 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सप्ताह पीली धातु 49,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद से ही कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। पीली धातु पिछले साल के उच्चतम स्तर (56200 रुपये प्रति 10 ग्राम) से करीब सात हजार रुपये नीचे है। मार्च में सोने की कीमतें लगभग 44,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गई थीं।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत डॉलर के चलते हाजिर सोने में गिरावट आई। हाजिर सोना 0.2 फीसदी गिरकर 1,886.76 डॉलर प्रति औंस पर रहा। अन्य कीमती धातुओं में चांदी 0.7 फीसदी गिरकर 27.58 डॉलर प्रति औंस पर थी और प्लैटिनम 0.2 फीसदी बढ़कर 1,164.72 डॉलर पर रहा। डॉलर इंडेक्स तीन सप्ताह के उच्च स्तर पर, 90.543 पर पहुंच गया। डॉलर इंडेक्स अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले 0.03 फीसदी बढ़कर 90.157 हो गया। केंद्र ने स्वर्ण आभूषण और कलाकृतियों के लिए अनिवार्य रूप से हॉलमार्किंग व्यवस्था लागू करने की समयसीमा एक पखवाड़ा बढ़ाकर 15 जून तक कर दी। उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस आशय का निर्णय किया गया। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2019 में सरकार ने स्वर्ण आभूषण और कलाकृतियों पर हॉलमार्किंग 15 जनवरी, 2021 से अनिवार्य किए जाने की घोषणा की थी। हालांकि जौहरियों की महामारी के कारण समयसीमा बढ़ाए जाने की मांग के बाद इसे चार महीने आगे खिसकाकर एक जून कर दिया गया था। गोल्ड हॉलमार्किंग कीमती धातु की शुद्धता को प्रमाणित करता है और वर्तमान में यह स्वैच्छिक है। बयान के अनुसार स्वर्ण आभूषण पर हॉलमार्किंग व्यवस्था 15 जून से शुरू होगी। पहले यह एक जून, 2021 से क्रियान्वित होनी थी।

## श्रम संहिताओं को लागू करने की तैयारी

# कंपनियों की पीएफ देनदारी बढ़ेगी, कर्मचारियों का वेतन होगा कम



**नई दिल्ली।** केंद्र अब श्रम कानूनों के कार्यान्वयन में आगे बढ़ते हुए कुछ महीनों में चार श्रम संहिताएं लागू कर सकता है, जिससे कर्मचारियों के घर ले जाने के वेतन (टेक होम) में कमी आएगी व भविष्य के लिए आय बेहतर होगी और कंपनियों की पीएफ देनदारी बढ़ेगी। सूत्रों के अनुसार, कई प्रमुख राज्यों ने चार संहिताओं के तहत नियमों को अंतिम रूप नहीं दिया। कुछ राज्य इन कानूनों के कार्यान्वयन के लिए नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं। केंद्र सरकार इन संहिताओं के तहत नियमों को मजबूत बनाने को राज्यों के लिए हमेशा के लिए इंतजार नहीं कर सकती है। इसलिए इन्हें लागू करने की योजना बना रही है। श्रम मंत्रालय ने एक अप्रैल से औद्योगिक संबंध, मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य सुरक्षा और काम करने की स्थिति पर चार कोड लागू करने की परिकल्पना की थी। ये चार श्रम कोड 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को युक्तिसंगत बनाएंगे। मंत्रालय ने चार संहिताओं के तहत नियमों को अंतिम रूप भी दिया था। लेकिन इन्हें लागू नहीं किया जा सका, क्योंकि कई राज्य अपने अधिकार क्षेत्र में इन संहिताओं के तहत नियमों को अधिसूचित करने की स्थिति में नहीं थे।

## लगातार दूसरे दिन बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

**नई दिल्ली।** सरकारी तेल कंपनियों की ओर से लगातार दूसरे दिन पेट्रोल व डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। डीजल कीमत 26 से 27 पैसे तक बढ़ी हैं तो वहीं पेट्रोल की कीमत भी 27 से 28 पैसे तक बढ़ी हैं। आज दिल्ली में पेट्रोल का दाम 95.31 रुपये जबकि डीजल का दाम 86.22 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 101.52 रुपये व डीजल की कीमत 93.98 रुपये प्रति लीटर है। वाहन ईंधन कीमतों में एक महीने में 17वीं बार बढ़ोतरी के बाद देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मंगलवार को नई ऊंचाई पर जा पहुंचीं। बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं।

# निगरानी: 10 लाख से ज्यादा के नकद निवेश पर आयकर विभाग भेजेगा नोटिस




म्यूचुअल फंड और इक्विटी में पैसे लगाने वाले निवेशक अगर किसी वित्त वर्ष में 10 लाख रुपये से ज्यादा की राशि नकद में डालते हैं, तो आयकर विभाग उन्हें नोटिस जारी कर सकता है। बड़ी मात्रा में नकद लेनदेन पर निगरानी बढ़ाने के लिए आयकर विभाग ने यह कवायद शुरू की है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अनुसार, निवेशक को अगर ज्यादा राशि म्यूचुअल फंड या शेयर बाजार में लगानी है, तो बेहतर होगा कि वह डिजिटल तरीके से निवेश करे। निवेशक भले ही नकदी के लेनदेन की जानकारी नहीं देता, लेकिन आयकर विभाग संबंधित संस्थान की बैलेंस शीट के जरिए बड़ी राशि के लेनदेन का पता लगा लेता है और संबंधित करदाता से स्पष्टीकरण की मांग कर सकता है।

सेबी के नियमों के अनुसार, कोई निवेशक म्यूचुअल फंड में एक वित्त वर्ष के दौरान अगर 10 लाख से ज्यादा राशि डालता है (भले ही डिजिटल तरीके से भुगतान किया हो), तो आयकर विभाग की नजर में आ जाता है।

हालांकि, संबंधित निवेशक का आईटीआर अगर इस राशि से ज्यादा पैसे लगाने की अनुमति देता है, तो उसे डिजिटल तरीके से ही भुगतान करना चाहिए।

पीएन फिनकैप के सीईओ एके निगम का कहना है कि जब शेयर बाजार में भारी अनिश्चितता का दौर चल रहा हो, तो सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (सिप) के जरिए स्टॉक में पैसे लगाना बेहतर होता है। ऐसे माहौल में अगर आप बाजार में सीधे एकमुश्त निवेश करते हैं, तो जोखिम बढ़ सकता है। वैसे तो खुदरा निवेशकों के लिए इक्विटी सिप में पैसे लगाना शेयर बाजार में प्रवेश करने का सबसे बेहतर विकल्प होता है, लेकिन यह म्यूचुअल फंड सिप से पूरी तरह अलग होता है। इसके जरिए निवेशक हर सप्ताह, पाक्षिक या मासिक आधार पर स्टॉक खरीद सकते हैं। ब्रोकरेज या फंड हाउस एक निश्चित संख्या अथवा राशि के शेयर खरीदने की अनुमति देते हैं। अगर आप चाहें तो एक ही स्टॉक के कई शेयर ले सकते हैं या अलग-अलग कंपनियों के शेयर खरीदकर अपना पोर्टफोलियो बना सकते हैं।

# सड़कों पर उतरीं सनी लियोनी ने जरूरतमंदों को बांटा खाना

एक्ट्रेस सनी लियोनी और उनके पति डेनियल वेबर ने रविवार का इस्तेमाल परोपकार के काम में किया। उन्होंने एक ट्रक हायर किया और मुंबई की सड़कों पर निकलकर जरूरतमंदों तक खाना पहुंचाया। उनकी कुछ फोटो सोशल मीडिया पर आई हैं। भारी संख्या में लोगों ने सनी और डेनियल से खाना प्राप्त किया। कुछ ने स्टार्स के साथ फोटो भी खिंचवाई।उन्होंने खाने में दाल-चावल या फिर खिचड़ी और फल का वितरण किया। इस साल की शुरुआत में सनी तब भी खूब चर्चा में रही थीं, जब उन्होंने एक एनजीओ के साथ मिलकर दिल्ली में 10 हजार प्रवासी मजदूरों के लिए खाने का इंतजाम कराया था। पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान अब मार्वल की सीरीज में दिखाई देंगे। आर्यन मैन, कैप्टन अमेरिका जैसी सुपरहीरो फिल्में बना चुका मार्वल स्टूडियो अब मिस मार्वल नाम से टीवी शो बना रहा है। बताया जा रहा है कि इसके जरिए पहली बार मुस्लिम अमेरिकन सुपरहीरोइन कमला खान को दिखाया जाएगा। चर्चा है कि इस सीरीज में फवाद खान को भी अहम रोल के लिए कास्ट किया गया है। दरअसल, कयासों का यह दौर मिस मार्वल के आईएमडीबी पेज पर उनका नाम और फोटो देखने के बाद शुरू हुआ। पेज के मुताबिक शो में फवाद के किरदार का नाम हसन होगा।

# परिणीति चोपड़ाने फिल्मों में अपने लव मेकिंग सीन को लेकर दिया बयान



**नई दिल्ली।** बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा फिल्मों के अलावा निजी जिंदगी और करियर के बारे में खुलासा करती रहती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया और इंटरव्यू के जरिए अपने बारे में खास खुलासे करती रहती हैं। अब परिणीति चोपड़ा ने अपने फिल्मी करियर और खराब फिल्मों को लेकर खास बात कही है, जिसकी काफी चर्चा हो रही हैं।

परिणीति चोपड़ा ने फिल्मों में अपने किसिंग और लव मेकिंग सीन को लेकर भी खुलकर बात की है। उन्होंने अंग्रेजी वेबसाइट टाइम्स ऑफ इंडिया को इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में उन्होंने अपने फिल्मी करियर को लेकर भी बात की। परिणीति चोपड़ा से पूछा गया कि क्या आप कभी किसी सीन को लेकर आश्वस्त नहीं हुईं लेकिन फिर भी किया? इस पर उन्होंने अपनी फिल्मों को लेकर बात की।

परिणीति चोपड़ा ने कहा, हां, पिछले पांच सालों में कई फिल्मों में ऐसे सीन हैं। मैं जो काम कर रही थी उससे मैं बहुत नाखुश था। मुझे खुद पर भरोसा था, लेकिन फिल्म निर्माता मुझे वह किरदार नहीं देते थे, जिसकी मुझे तलाश थी। मैं आधे-अधूरे मन से फिल्में साइन कर रही थी। मैं लगातार असंतोष की स्थिति में थी। मैं हमेशा तीन निर्देशकों- अमोल गुप्ते (साइना), दिबाकर बनर्जी (संदीप और पिंकी फरार), और रिभु दासगुप्ता (द गर्ल ऑन द ट्रेन) के लिए शुक्रगुजार रहूंगी।

परिणीति चोपड़ा से पूछा गया कि क्या आप कभी रोमांटिक सीन करते हुए परेशान हुई हैं? नहीं, मैं अंतरंग, किसिंग और लवमेकिंग सीन किए हैं। लेकिन ऐसे सीन में कट का मतलब कट होता है। जब भी शारीरिक रूप किसी सीन हो करती हूं तो वह तकनीकी

और क्लीनिकल होते हैं। आपको बता दें कि परिणीति चोपड़ा आखिरी बार फिल्म संदीप और पिंकी फरार में नजर आई थीं।

यह फिल्म हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। फिल्म को दर्शकों का काफी प्यार मिल रहा है। फिल्म संदीप और पिंकी फरार का निर्देशन दिबाकर बनर्जी ने किया है। इस फिल्म में परिणीति चोपड़ा के साथ अभिनेता अर्जुन कपूर, पंकज त्रिपाठी, रघुबीर यादव और जयदीप अहलावत सहित कई दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिका में हैं।

# तापसी पन्नू की हसीन दिलरूबा का नया पोस्टर रिलीज



**नई दिल्ली।** तापसी पन्नू की फिल्म हसीन दिलरूबा का नया पोस्टर रिलीज किया गया है। फिल्म में तापसी के साथ विक्रांत मेस्सी और हर्षवर्धन राणे हैं। विनील मैथ्यू की ये फिल्म पिछले साल ही रिलीज होने वाली थी पर कोरोना के चलते इसे टाल दिया गया।

तापसी पन्नू ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- %एक शमा। दो दीवाने। क्या जल मिटेंगे ये दीवाने? इसपर भूमि पेडनेकर ने कमेंट सेक्शन में लिखा- ओह्हो। तो वहीं अभिलाष थापियाल ने लिखा- एक फूल दो माली.. बता दें कि पोस्ट शेयर किए हुए अभी सिर्फ एक घंटे हुए हैं और इसपर लाख से ज्यादा लाइक्स ला गए हैं।

यह फिल्म एक मिस्ट्री थ्रिलर है जो दो जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसे विनीत मैथ्यू ने निर्देशित किया है। आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। हसीन दिलरुबा साल 2020 में रिलीज होनी थी लेकिन कोरोना की वजह से शूटिंग से लेकर प्रोडक्शन तक में देरी हुई जिसकी वजह से इसे टालना पड़ा।

बता दें कि पिछले साल अक्टूबर में तापसी ने सेट से इंस्टाग्राम पर एक फोटो अपलोड कर फिल्म के पूरा होने की घोषणा की थी। उसने इसे कैप्शन दिया अंत में, हरिद्वार में ठंड के दिनों में मुंबई में गर्म दिनों की उमस के बीच शूटिंग करने के बाद, इस फिल्म ने सूरज (महामारी सहित) के तहत संभवत सभी मौसमों और मानवीय भावनाओं का अनुभव किया है।

तापसी पन्नू के पास इस समय कई शानदार फिल्में हैं जो आने वाले वक्त में रिलीज होंगी। इसमें आकाश खुराना की रश्मि रॉकेट, राहुल ढोलकिया की शाबाश मिठू और आकाश भाटिया की लूप लापेटा शामिल हैं।

# 36 दिन बाद भी कोविड संक्रमण से जूझ रहे टीवी एक्टर अनिरुद्ध दवे



**नई दिल्ली।** फेमस टीवी एक्टर अनिरुद्ध दवे कुछ दिन पहले कोरोना संक्रमित पाए थे इस बात की जानकारी उनकी पत्नी ने शुभी आहूजा ने दी थी। कोविड संक्रमण से जूझते हुए अनिरुद्ध को 36 दिन हो चुके हैं, लेकिन उनकी ये जंग अभी तक खत्म नहीं हुई है। 36 दिन बाद भी अनिरुद्ध हॉस्पिटल में एडमिट हैं और कोविड से फाइट कर रहे हैं इस बात की जानकारी खुद एक्टर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्ट ट्विटर के जरिए दी है। अनिरुद्ध ने अपने ट्विटर अकाउंट पर अपनी एक फोटो शेयर की है जिसमें उनकी नाक में एक पाइप लगा दिख रहा है और एक्टर अपने फैंस के थम्सअप दिखा रहे हैं।

फोटो शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा, '36वें दिन भी जंग जारी है। हां लेकिन फेफड़ों की रिकवरी के रास्ते पर हूं। डॉक्टर गोयंका ने ज्यादा बात करने के लिए मना किया है, लेकिन मैं रिप्लाई कर सकता हूं और अपने चाहने वालों के करीब रह सकता हूं। फिल्म और शोज़ देख सकता हूं, एक नई ज़दिगी मिली है। अब मैं चलने की प्रेक्टिस शुरू करूंगा... सेल्फी तो बनती है। आप सबका आभार'।

आपको बता दें कि अनिरुद्ध दवे की हालत बहुत नाज़ुक थी उनके 85त्न लंग्स इनफेक्टेड हो गए थे इस बात की जानकारी भी खुद एक्टर ने दी थी। वहीं अनिरुद्ध की पत्नी ने लोगों से उनके लिए दुआ मांगने के लिए कहा था। शुरुआती दिनों में अनिरुद्ध को आईसीयू में एडमिट किया गया था, लेकिन उनके रिकवर होने के बाद उन्हें नॉर्मल बेड पर शिफ्ट कर दिया गया।

# सायरा बानो बोलीं- साहब की हालत स्थिर है और वे 2-3 दिन में घर वापस आ जाएंगे

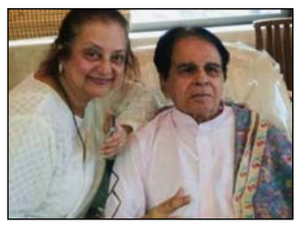



दिग्गज एक्टर दिलीप कुमार को रविवार (6 जून) को मुंबई के पीडी हिंदुजा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वह डॉक्टरों की देखरेख में हैं और अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर उनके निधन की अफवाह भी फैलाई जा रही है। इन अफवाह पर उनकी पत्नी सायरा बानो ने एक पोस्ट शेयर कर खुद दिलीप कुमार की हेल्थ को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि दिलीप कुमार की हालत स्थिर और वे 2-3 दिन में घर वापस लौट आएंगे। सायरा बानो ने पोस्ट शेयर कर लिखा, सोशल मीडिया पर फॉरवर्ड किए जा रहे मैसेज पर विश्वास न करें। साहब की हालत स्थिर है। आपकी हार्दिक दुआओं और प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद। डॉक्टरों के अनुसार, वे 2-3 दिन में घर वापस आ जाएंगे। इंशाअल्लाह। इससे पहले भी सायरा बानो ने दिलीप कुमार के सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था, दिलीप साहब को रुटीन टेस्ट और जांच के लिए नॉन कोविड पीडी हिंदुजा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

# यश और रूही ने फैन्स के सामने करण जौहर का किया ये हाल

**नई दिल्ली।** करण जौहर का नाम बॉलीवुड के उन सिलेब्स में से एक है जो सोशल मीडिया के जरिए हमेशा अपने फैन्स से जुड़े रहते हैं। रविवार को करण ऐसे ही अपने फैन्स के साथ इंस्टाग्राम पर लाइव थे। वो लोगों से बात कर रहे थे उनके सवालों का जवाब दे रहे थे कि तभी वहां उनके बच्चे यश और रूही आ गए। बस फिर क्या था करण जौहर का लाइव सेशन में इन दोनों ने जो हाल किया उसे देखकर आपकी भी हंसी छूट जाएगी।

टॉक शो और अवॉर्ड शो में अपनी हाजिर जवाबी से लोगों की बोलती बंद करने वाले करण जौहर की बोलती उनके बच्चों ने तब बंद कर जब वो उनके लाइव सेशन के दौरान धमक पड़े। यश और रूही ने मिलकर करण के बाल खराब करने शुरू कर दिए। वो बार-बार वीडियो के बीच आकर कुछ कहना चाह रहे थे। दोनों ही सुपरहीरो ड्रेसेस में नजर आ रहे थे। करण दोनों को किसी तरह कंट्रोल करने की कोशिश करते रहे।

करण जौहर के इंस्टा लाइव के दौरान सारा अली खान ने कमेंट करते हुए पूछा- करण आपका फेवरिट आइसक्रीम फ्लेवर कौन है? सारा का सवाल पढ़ते हुए करण ने पूछा कि सारा उनका आइसक्रीम फ्लेवर क्यों जानना चाहती हैं। वहीं अनन्या का एक कमेंट मिस होने पर अनन्या ने अगले कमेंट में लिखा- फीलिंग इग्नोर्ड। वहीं करण जौहर से एक सोशल मीडिया यूजर ने पूछा कि आप खुद को कौन सा सुपरहीरो मानते हो? दरअसल सोशल मीडिया यूजर ने ये सवाल करण के बच्चों यश और रूही के ड्रेसअप से जोड़ते हुए पूछा। सोशल मीडिया यूजर के इस सवाल पर करण जौहर ने कहा- यार मैं कोई सुपरहीरो नहीं हूं, मैं तो फैमिली मैन हूं।

# एक्ट्रेस तरला जोशी का निधन, निया शर्मा ने किया 'बड़ी बीजी' को याद



**नई दिल्ली।** टेलीवीज़न जगत की जानी मानी सीनियर अदाकारा तरला जोशी का निधन हो गया है। खबरों की मानें तो रविवार सुबह तरल जोशी ने आखिरी सांस ली, उनका निधन हार्ट अटैक की वजह से हुआ है। तरला इंडस्ट्री की जानीमानी एक्ट्रेस रह चुकी हैं। तरल ने 'एक हजारों में मेरी बहना है' और 'साराभाई वर्सेस साराभाई' जैसे हिट शोज में काम किया था। इसके अलावा भी वो सीरियल्स में नज़र आई थीं। तरल जोशी के निधन के बाद उनके साथ 'एक हजारों में मेरी बहना है' में नज़र आ चुकीं फेमस टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर 'बड़ी बीजी' के साथ ढेर सारी अनसीन फोटोज़ शेयर की हैं। इन फोटोज़ में निया के साथ तरल जोशी और बाकी के स्टार्स भी नज़र आ रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए लिखा है 'ऋ्रुक्कबड़ी बीजी आपको मिस किया जाएगा। तरल जी आप हमेशा हमारी बड़ी बीजी रहेंगी'। तस्वीरों में अभिनेत्री दिव्यज्योति शर्मा और अंजू महेंद्रू भी नजर आ रहे हैं।

बात करें निया शर्मा की तो निया टीवी इंडस्ट्री की जानीमानी एक्ट्रेस हैं निया ने अपने करियर की शुरुआत स्टारप्लस के एक सीरियल काली एक अग्नीपरीक्षा से की थी, लेकिन एक्ट्रेस को पहचान मिली एक हज़ारों में मेरी बहना है से। इस सीरियल में निया ने क्रिस्टल डिसूज़ा की छोटी बहन का किरदार निभाया था। इसके बाद निया ने कई रिएलिटी शोज़ से लेकर डेली सोप तक में काम किया। निया कॉमेडी नाइट्स बचाओ, फीयर फेक्टर खतरों के खिलाड़ी सीज़न 8, नागिन 4 जैसे कई फेसस शोज़ में नज़र आ चुकी हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल इंस्टाग्राम की वजह से भी खूब चर्चा में रहती हैं। निया अपने इंस्टाग्राम पर एक से बढ़कर एक बोल्ड फोटो शेयर करती रहती हैं जिस वजह से वो कई बार ट्रोल भी हो जाती हैं। फिलहाल निया अपने हाल ही में रिलीज़ हुए सॉन्ग तुम बेवफा हो की वजह से काफी चर्चा में हैं।

# ब्यूटी रूटीन में बस इन 4 चीज़ों को शामिल कर बरकरार रखें त्वचा की खूबसूरती और चमक



त्वचा की देखभाल से जुड़ी दिनचर्या को यूं ही नज़रअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि आपकी ये लापरवाही त्वचा को प्रभावित कर सकती है जो कील-मुंहासों, रिंकल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स के रूप में सामने आते रहते हैं और लंबे समय तक बने भी रहते हैं। त्वचा की देखभाल का रुटीन तय होना बेहद जरूरी है। स्किन पोर्स को ब्लॉक होने या क्लॉगिंग से बचाने के लिए ज़रूरी है कि सुबह उठने के बाद सबसे पहले चेहरे को धोया जाएं, क्योंकि इस क्लॉगिंग की वजह से ही मुंहासे तथा ब्लैक व व्हाइट हेड्स होते हैं। त्वचा की देखभाल के सुबह के रुटीन में हमेशा एसपीएफ़ 50 और उससे अधिक का सनस्क्रीन शामिल होना चाहिए और इसका इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि कोई धूप में निकल रहा है या नहीं। सूरज से यूवीए किरणें खिड़कियों से आने वाली धूप के माध्यम से भी त्वचा में प्रवेश कर सकती है। त्वचा के कोलेजन को खराब कर सकती हैं जिसके परिणामस्वरूप त्वचा अपनी इलॉस्टिसिटी और नमी खोने लगती है।

- **क्ले या मिट्टी:** क्ले अपने डिटॉक्सिफाइंग गुणों के लिए जाना जाता है। क्ले बेस्ड क्लींजर या फेस मास्क रोमछिद्रों को खोलने में अद्भुत काम करते हैं। यह त्वचा से सभी गंभीर और प्रदूषकों को खींचकर बाहर निकालता है।
- **चारकोल:** चारकोल की खूबियों से तो आप वाकिफ होंगी ही। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो चारकोल का इस्तेमाल बहुत ही फायदेमंद साबित होगा क्योंकि यह सीबम को रुट्स से बाहर निकालता है और त्वचा की गहराई से सफाई करता है।
- **हल्दी:** हल्दी भारतीय खानपान के सबसे जरूरी मसालों में शामिल है। हल्दी के इस्तेमाल से न सिर्फ रंगत निखरती है बल्कि कील-मुंहासों और दाग-धब्बे भी दूर होते हैं। हल्दी त्वचा को डिटॉक्स करना का भी काम करती है।
- **टी ट्री ऑयल:** टी ट्री ऑयल खुजली और जलन को कम करके रुखी त्वचा से राहत दिलाता है। इसके अलावा टी ट्री ऑयल को हेयर केयर के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है जो डैंड्रफ की समस्या दूर करता है।

# रिया चक्रवर्ती ने एनसीबी के सामने लिया सारा अली खान का नाम

सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स एंगल में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने सितंबर 2020 में सारा अली खान से पूछताछ की थी। सारा फिल्म केदारनाथ के दौरान सुशांत के साथ रिलेशनशिप में थीं और उनका नाम रिया चक्रवर्ती ने पूछताछ के दौरान सामने लिया था। अब ह्ष्ट्क्ल को दिया गया रिया चक्रवर्ती का इकबालिया बयान मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने सारा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बताया जा रहा है कि रिया का यह बयान जांच एजेंसी ने अपनी चार्जशीट में शामिल किया है। रिया ने अपने बयान में लिखा है, हमारे बीच ड्रग्स से जुड़ी बातचीत हुई थी, जिसमें वह (सारा) हैंगओवर के उपाय बता रही थी। वह आइसक्रीम और गांजे के बारे में बात कर रही थी, जो वह खुद इस्तेमाल करती थी और दर्द से राहत के लिए मुझे भी ऑफर कर रही थी। यह सिर्फ टेक्स्ट था, व्यक्तिगत रूप से बातचीत नहीं हुई। सारा रोल्ड डूबीज लिया करती थी। डूबीज मैरुआना (गांजा) के जॉइंट्स होते हैं। कुछ मौकों पर मैंने भी सारा के साथ यह लिया।

# हाइपरटेंशन को कंट्रोल करने के लिए इन 3 टिप्स को जरूर करें फॉलो

**नई दिल्ली।** आधुनिक समय में खराब दिनचर्या, गलत खानपान और तनाव के चलते कई बीमारियां जन्म लेती हैं। इनमें डायबिटीज, मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, बालों की समस्या आदि प्रमुख हैं। खासकर ब्लड प्रेशर यानी रक्त चाप की समस्या से हर कोई परेशान है। किसी को लो ब्लड प्रेशर की शिकायत है, तो किसी को हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में विशेष बदलाव करें। अगर आप जंक फ़ूड के शौकीन हैं, तो इनसे दूरी बनाएं, क्योंकि डॉक्टर्स हमेशा ब्लड प्रेशर के मरीजों को जंक फ़ूड से दूर रहने की सलाह देते हैं। वहीं, रोजाना वर्कआउट और योग जरूर करें। अगर आप ब्लड प्रेशर की समस्या से जूझ रहे हैं, तो इन 3 टिप्स को जरूर फॉलो करें। आइए जानते हैं-

## संतुलित मात्रा में नमक खाएं

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए जरूरी है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करें। नमक के अधिक सेवन से रक्त चाप बढ़ता है। खासकर खाने में ऊपर से नमक का सेवन बिल्कुल न करें। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए नाममात्र नमक खाने की सलाह दी है।

## धूम्रपान से करें परहेज

शराब और सिगरेट के सेवन से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। इसके लिए धूम्रपान और शराब के सेवन से परहेज करें। साथ ही शराब के सेवन से सेहत पर बुरा असर पड़ता है। वहीं, धूम्रपान करने से दिल और फेफड़े को भी नुकसान पहुंचता है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

RNI No : UPHIN/2019/79194

Mob: 9453694257
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।